रीवा
14 फरवरी 2026 शनिवार

# दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

## महामंडलेश्वर उत्तम स्वामी पर रेप के आरोप

राजस्थान की युवती ने दिल्ली पुलिस को किया ई-मेल

**दिल्ली/जयपुर, एजेंसी।** श्री पंच अग्नि अखाड़े के महामंडलेश्वर और कथावाचक उत्तम स्वामी पर राजस्थान निवासी एक युवती ने दुष्कर्म करने के आरोप लगाए हैं। युवती ने 12 फरवरी को दिल्ली पुलिस कमिश्नर को ई-मेल भेजकर सुरक्षा की मांग भी की है। पीड़िता का कहना है कि एफआईआर दर्ज करवाने की भनक लगते ही उसे धमकियां मिलने लगी हैं। उत्तम स्वामी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से संपर्क साधने की कोशिश कर रहे हैं। उनके करीबी लोग समझौते का दबाव बना रहे हैं। युवती ने ई-मेल में लिखा है कि उसके और उसके परिवार के बारे में बेहद निजी जानकारी रखी जा रही है। उसे नुकसान पहुंचाए जाने की आशंका है।

**पीड़िता ने कहा- धर्म की आड़ में कई साल किया यौन शोषण-** युवती ने आरोप लगाया है कि उत्तम स्वामी कई साल से उसका यौन शोषण कर रहा था। जब वह नाबालिग थी, तभी से धर्म की आड़ में उसके साथ गलत काम किए गए। उसने विरोध किया तो उसे डराया-धमकाया गया। उत्तम स्वामी के प्रभाव के कारण लंबे समय तक वह शिकायत नहीं कर सकी।

## 'पूर्व पीएम नेहरू ने सुप्रीम कोर्ट जज से मांगी थी माफी'

**, जयराम रमेश बोले- ऐसे थे असाधारण संस्थान निर्माता**

**कोलकाता, एजेंसी।** कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शुक्रवार को भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की जमकर तारीफ की। उन्होंने नेहरू को असाधारण संस्था निर्माता बताया। रमेश ने याद दिलाया कि कैसे साल 1959 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू ने सुप्रीम कोर्ट के जज विवियन बोस को एक माफीनामा लिखा था।

**जयराम रमेश ने साझा किया पत्र-** जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस पत्र को साझा किया। उन्होंने लिखा कि आजकल सरकार और न्यायपालिका के बीच के रिश्तों पर बहुत बातें होती हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री नेहरू का 26 जून 1959 को जस्टिस विवियन बोस को लिखा गया यह पत्र बहुत महत्वपूर्ण है। रमेश के अनुसार, यह पत्र दिखाता है कि नेहरू संस्थाओं का कितना सम्मान करते थे।

# मोदी ने नए प्रधानमंत्री ऑफिस सेवा तीर्थ का उद्घाटन किया

### बिल्डिंग पर लिखा है- नागरिक देवो भव; पुराने ऑफिस में आखिरी कैबिनेट मीटिंग हुई ।

**नई दिल्ली, एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 'सेवा तीर्थ' कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया। इसमें अब प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO), नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल सचिवालय (NSCS) और कैबिनेट सचिवालय काम करेंगे। PMO आज से रायसीना हिल स्थित साउथ ब्लॉक से सेवा तीर्थ में शिफ्ट हो गया है।

उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री ने नए कॉम्प्लेक्स में लगी 'सेवा तीर्थ' की पट्टिका का अनावरण किया। परिसर की दीवार पर देवनागरी लिपि में 'सेवा तीर्थ' लिखा है। इसके नीचे 'नागरिक देवो भव' (नागरिक भगवान के समान हैं) का मंत्र भी लिखा गया है। न्यूज एजेंसी PTI के अनुसार, पीएम सेवा तीर्थ से एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। इसके अलावा, वे पुराने पीएम ऑफिस में केंद्रीय कैबिनेट की विशेष बैठक भी करेंगे। यह बैठक शुक्रवार शाम 4 बजे तय है।

यह ब्रिटिश काल की सेक्रेटेरिएट बिल्डिंग में आखिरी कैबिनेट बैठक होगी। प्रधानमंत्री का ऑफिस 1947 से साउथ ब्लॉक में रहा है। ये इमारत करीब 78 सालों से देश की सत्ता का केंद्र रही है। 2014 से, मोदी सरकार ने ब्रिटिश शासकों के प्रतीकों से दूर जाने के लिए लगातार कदम उठाए हैं।

**पीएम ने नए ऑफिस में कई फाइलों पर साइन किए :** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए PMO

कॉम्प्लेक्स 'सेवा तीर्थ' में महिलाओं, युवाओं और कमजोर वर्गों से जुड़े अहम फैसलों की फाइलों पर साइन किए। सरकार के अनुसार, इन फैसलों का उद्देश्य इन वर्गों को सीधा लाभ पहुंचाना है। प्रधानमंत्री ने पीएम राहत योजना से जुड़ी फाइलों पर भी साइन किए। इस पहल के तहत, एक्सीडेंड पीड़ितों को 1.5 लाख तक का कैशलेस ट्रीटमेंट मिलेगा, जिससे उनके इलाज में देरी न हो। साथ ही लखपति दीदी योजना का लक्ष्य दोगुना कर 3 करोड़ से छह करोड़ करने का निर्णय लिया गया। प्रधानमंत्री ने कृषि अवसंरचना कोष के आवंटन को 1 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2 लाख करोड़ रुपये करने की मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री ने 10,000 करोड़ रुपये के कोष के साथ स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0 को मंजूरी दी है।

### सेवा तीर्थ कॉम्पलेक्स में कुल 3 इमारतें

सेवा तीर्थ कॉम्पलेक्स में कुल 3 इमारतें हैं- सेवा तीर्थ-1, सेवा तीर्थ-2 और सेवा तीर्थ-3। सेवा तीर्थ-1 में PMO है। सेवा तीर्थ-2 में कैबिनेट सचिवालय और सेवा तीर्थ-3 में NSCS और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का ऑफिस है। ये सभी ऑफिस पहले अलग-अलग जगहों पर थे। कैबिनेट सचिवालय सितंबर 2025 में ही सेवा तीर्थ-2 में शिफ्ट हो चुका है। आज पीएम के साथ NSCS और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का ऑफिस भी यहां शिफ्ट हो गया है। पीएम आज कर्तव्य भवन-1 और 2 का उद्घाटन भी करने वाले हैं। यहां मंत्रालयों के नए ऑफिस होंगे। पहले नॉर्थ ब्लॉक मंत्रालयों का ठिकाना था।

### 1189 करोड़ की लागत से बना सेवा तीर्थ

सेवा तीर्थ का मतलब है 'सेवा का स्थान'। पहले इसका नाम 'एग्जीक्यूटिव एन्क्लेव' रखा गया था, लेकिन 2 दिसंबर 2025 में इसका नाम बदलकर सेवा तीर्थ रखा गया। यह नई दिल्ली में दारा शिकोह रोड पर एग्जीक्यूटिव एन्क्लेव में स्थित है। यह करीब 2.26 लाख वर्ग फीट (करीब 5 एकड़) में बना है। इसे एल एंड टी कंपनी ने 1189 करोड़ में बनाया है। नए PMO के पास ही प्रधानमंत्री का नया आवास भी बन रहा है। इसके तैयार होने के बाद प्रधानमंत्री 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित मौजूदा आवास से नए आवास में शिफ्ट हो जाएंगे। हालांकि, अभी इसकी तारीख सामने नहीं आई है।

## राजस्थान: शराब समझकर जहरीला केमिकल पीया, 4 की मौत

### मृतकों में तीन महिलाएं भी, दावा- शादी वाले घर से छुपाकर लाए थे बोतलें

**भीलवाड़ा, एजेंसी।** राजस्थान के भीलवाड़ा में 5 लोगों ने शराब समझकर जहरीला केमिकल पी लिया। इनमें तीन महिलाओं सहित 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक की हालत गंभीर है। जानकारी के अनुसार सभी मजदूर हैं और शादी वाले घर से शराब की बोतलें समझकर ये केमिकल ले आए थे। हादसा जिले के अलोली गांव में गुरुवार देर रात को हुआ।

**अपने घर पर पीया केमिकल-** आलोली निवासी हरदयाल सिंह ने बताया - 10 फरवरी को परिवार में शादी थी। घर के बाहर खेत में पांडाल लगाया गया था। अगले दिन कुछ लोग खाने लेने घर आए और यहां साफ-सफाई की।

बर्तन साफ करने के लिए केमिकल मंगवाया गया था। घर लौटते समय वे कई बोतलें अपने साथ ले गए। आशंका है कि 12 फरवरी की शाम को घर

पर इनमें से कुछ लोगों ने ये केमिकल पी लिया था।

**सभी की हॉस्पिटल में मौत-** कुछ मिनटों बाद ही इनकी हालत बिगड़ने लगी। पड़ोसियों ने उन्हें गंगापुर हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया। जहां गुरुवार रात को जमनी (60) शंकर कंजर, रतन (42) पुत्र मिश्री लाल कंजर और उसकी पत्नी सुशीला (40) की मौत हो गई। वहीं, दो महिलाओं को भीलवाड़ा के हॉस्पिटल रेफर किया था। इनमें बादामी (60) पत्नी जानकी लाल ने रास्ते में दम तोड़ दिया।

## लोकसभा में 'हरदीप पुरी इस्तीफा दो' के नारे लगे, संसद की कार्यवाही 9 मार्च तक स्थगित

### भाजपा बोली- राहुल सत्ता पाने को देश का बंटवारा चाहते थे

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बजट सत्र के 13वें दिन लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही पूरे दिन नहीं चल पाई। लोकसभा की कार्यवाही करीब 10 मिनट ही चल पाई। वहीं, राज्यसभा की कार्यवाही दो घंटे तक चल पाई। अब दोनों सदनों की कार्यवाही 9 मार्च से शुरू होगी।

शुक्रवार को सुबह 11 बजे सदन शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने 'हरदीप पुरी इस्तीफा दो' के नारे लगाने शुरू कर दिए। इसके 5 मिनट बाद ही सदन स्थगित कर दी गई। 12 बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई। इस बार हंगामे के बीच एजुकेशन और कानून

मंत्रालय से जुड़े कुछ बिल पेश किए। इसके बाद चेयर पर मौजूद संध्या राय ने लोकसभा 9 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी।

संसद का बजट सत्र दो चरण में हो रहा है। पहला- 28 जनवरी से 13 फरवरी तक है। दूसरा चरण 23 दिन के ब्रेक के बाद 9 मार्च से शुरू होगा, जो 2 अप्रैल तक चलेगा। इधर BJP सांसद निशिकांत दुबे ने शुक्रवार को राहुल गांधी पर आरोप लगाए कि वे सत्ता पाने के लिए देश के बंटवारे की प्लानिंग कर रहे थे।

### दुबे ने X पर एक पोस्ट में लिखा-

सोरोस, फोर्ड फाउंडेशन और टुकड़े-टुकड़े गैंग के सरगना राहुल गांधी जी के खिलाफ मेरे आरोप ये हैं, जिनके लिए मैंने लोकसभा स्पीकर से बहस करने की इजाज़त मांगी है। क्या लोकसभा में विपक्ष के नेता सत्ता पाने के लिए भारत के बंटवारे की प्लानिंग कर रहे हैं? इससे पहले निशिकांत ने राहुल गांधी के खिलाफ लोकसभा में सब्सटेंसिव मोशन पेश किया है। राहुल पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया है। दुबे ने राहुल की संसद सदस्यता खत्म करने और चुनाव लड़ने पर लाइफटाइम बैन लगाने की मांग की है।

## लखनऊ में 6 लोगों को रौंदने वाला छात्र गिरफ्तार

### ● गर्लफ्रेंड के साथ पार्टी से लौट रहा था; 6 साल के बच्चे की मौत, 5 की हालत नाजुक

**लखनऊ, एजेंसी।** लखनऊ में कार से 6 लोगों को रौंदने वाला 12वीं का स्टूडेंट गौरव सिंह गिरफ्तार हो गया है। इस हिट एंड रन का CCTV फुटेज भी सामने आया है। इसमें आरोपी गौरव बहुत तेज रफ्तार में कार चलाता हुआ नजर आ रहा है। बताया जाता है कि कार में उसकी गर्लफ्रेंड भी थी। दोनों किसी फेयरवेल पार्टी में शामिल होकर लौट रहे थे। हादसे में नानी के साथ मार्केट गए 6 साल के बच्चे की मौके पर ही

मौत हो गई। जबकि 5 लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है। जान गंवाने वाला बच्चा दीक्षांत उन्नाव का रहने वाला है। वह यहां ननिहाल में मां साधना के साथ रहता था। केंद्रीय विद्यालय में पढ़ता था।

हादसा गुरुवार शाम करीब 7 बजे बंथरा थाना क्षेत्र में कानपुर रोड स्थित हनुमान मंदिर के पास हुआ। इसका छ्ष्टञ्जङ्क शुक्रवार को सामने आया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि कार रुकते ही लड़की उतर गई, जबकि छात्र कार लेकर भाग निकला। वहीं, सूचना पर अस्पताल पहुंची मां अपने बेटे के शव से कफन हटाते ही चीख पड़ी।

**फेयरवेल पार्टी से गर्लफ्रेंड के साथ लौट रहा था :** एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा के अनुसार, पुलिस ने कार को ट्रेस कर आरोपी छात्र गौरव सिंह को गिरफ्तार कर लिया और कार भी जब्त कर ली है। गौरव की कार बेकाबू थी। वह अवध कॉलेजिएट में 12वीं में पढ़ता है। उसकी उम्र 21 साल है।

कार में उसकी क्लासमेट मौजूद थी, जो दुर्घटना के बाद वहीं उतर गई। स्थानीय लोगों ने लड़की को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। डीसीपी दक्षिणी निपुण अग्रवाल ने बताया, कार ड्राइवर गौरव सिंह को हिरासत में ले लिया गया है।

### बांग्लादेश में बीएनपी की शानदार जीत

## पीएम मोदी ने तारिक रहमान को दी बधाई, भारत के साथ संबंधों पर दिया बड़ा संकेत

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बांग्लादेश आम चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान के नेतृत्व में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने शानदार बहुमत हासिल किया है। ऐसे में अब भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पार्टी के प्रमुख तारिक रहमान को बधाई दी। पीएम मोदी ने कहा कि यह जीत बांग्लादेश के लोगों के उनके नेतृत्व में भरोसे को दिखाती है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत लोकतांत्रिक, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के समर्थन में हमेशा खड़ा रहेगा। इसके साथ पीएम मोदी ने भारत और बांग्लादेश के रिश्ते को लेकर भी अपनी बड़ा संकेत दिया। पीएम मोदी ने कहा कि वह तारिक रहमान के साथ मिलकर भारत-बांग्लादेश के बहुआयामी संबंधों को और मजबूत करने और दोनों देशों के साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए काम करने के लिए उत्सुक हैं।

## राहुल गांधी किसान संगठनों के नेताओं से मिले

### ● बोले- किसान हितों से समझौता नहीं, भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ आंदोलन पर बातचीत हुई

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को संसद भवन परिसर में देशभर के किसान संगठनों के नेताओं से मुलाकात की। इस बैठक में भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन शुरू करने और किसानों व खेत मजदूरों की

रोजी-रोटी बचाने की जरूरत पर बात हुई।

किसान नेताओं ने इस व्यापार समझौते का विरोध किया। उनका कहना था कि समझौते से मक्का, सोयाबीन, कपास, फल और मेवे उगाने वाले किसानों की रोजी-रोटी पर असर पड़ेगा। कांग्रेस के अनुसार, राहुल गांधी ने कहा कि इस समझौते से कृषि उत्पादों के आयात का रास्ता खुल गया है। आगे अन्य फसलें भी इससे प्रभावित हो सकती हैं। बैठक में इस समझौते के विरोध में बड़े स्तर पर राष्ट्रीय आंदोलन करने पर बात हुई।

### दोहरा झटका : अमेरिका में जान गंवाने वाली भारतीय छात्रा के पिता की मौत, मुआवजे में मिलने हैं 262 करोड़ रुपये

**कुरनूल, एजेंसी।** कुछ साल पहले अमेरिका में पुलिस की एक दुर्घटना में 23 वर्षीय भारतीय छात्रा जाह्नवी कंदुला का निधन हो गया था। अब उसके परिवार को उस समय दूसरा बड़ा झटका लगा जब 29 मिलियन अमेरिकी डॉलर के मुआवजे के समझौते की घोषणा से ठीक दो दिन पहले उनके पिता का निधन हो गया। 23 जनवरी, 2023 को जाह्नवी सड़क पार कर रही थी, उस समय एक तेज रफ्तार सिएटल पुलिस वाहन ने उसे टक्कर मार दी। उस समय संबंधित अधिकारी एक आपातकालीन कॉल का जवाब दे रहा था।

**शोक समय में मुआवजे की बात करने उचित नहीं-** जाह्नवी के एक रिश्तेदार ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि सेवानिवृत्त पुलिस कांस्टेबल कंदुला श्रीकांत का 10 फरवरी को कुरनूल जिले में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उन्होंने आगे कहा कि 'श्रीकांत का अंतिम संस्कार बुधवार को अडोनी में किया गया, जबकि परिवार एक और विनाशकारी क्षति से जूझ रहा था।' परिवार इस समय शोक में है और मुआवजे की राशि के बारे में बात करना उचित नहीं है। वहीं, जाह्नवी नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी के सिएटल कैंपस में सूचना प्रणाली में मास्टर की छात्रा थीं।

# मुस्लिम परिवार ने 80 लाख की जमीन मंदिर को दी, निर्माण का खर्च भी उठाएंगे

### मोहाली में रजिस्ट्री करवाने शाही इमाम को बुलाया

**मोहाली, एजेंसी।** पंजाब के संगरूर में हिंदू परिवार के मस्जिद के लिए जमीन दान करने के बाद अब मोहाली के झामपुर में एक मुस्लिम परिवार ने 80 लाख रुपए की 325 गज जमीन मंदिर निर्माण के लिए दान दी है।

खास बात यह है कि मंदिर निर्माण का खर्च भी वही परिवार उठाएगा। गुरुवार (12 फरवरी) को शाही इमाम मौलाना मोहम्मद उस्मान रहमान लुधियानवी ने रजिस्ट्री के पेपर मंदिर कमेटी को सौंपे। वहीं हवन यज्ञ के बाद मंदिर के निर्माण का कार्य भी शुरू कर दिया गया। यहां पर हनुमान जी और सनातन मंदिर बनाया जा रहा है। शाही इमाम ने कहा कि पंजाब की धरती से मिठास का संदेश पूरे भारत के लिए अमृत है। यह एकता की मिसाल है। वहीं जमीन दान देने वाले मोहम्मद इमरान ने कहा कि मेरा सपना अस्पताल खोलने का है, ताकि गरीब लोगों को इलाज मिल सके।

**मंदिर के लिए कोई जगह नहीं थी:** शाही इमाम ने बताया कि मोहाली से सटे झामपुर इलाके में मंदिर के लिए जगह नहीं थी, क्योंकि नई आबादी बस रही थी। ऐसे में धार्मिक स्थानों के लिए जगह जरूरी है, सनातन धर्म के लिए कोई स्थान नहीं था। पंडित राजाराम ने मोहम्मद इमरान हैप्पी से संपर्क किया और मंदिर कमेटी के लिए जगह मांगी।

उन्होंने (हैप्पी ने) मुझसे पूछा तो मैंने कहा कि इस्लामी देशों में भी हिंदू-सिख भाईचारे के लोग जाकर बसते हैं, तो उनकी धार्मिक आस्था को ध्यान में रखते हुए वहां धार्मिक स्थान बनाए जाते हैं। दुबई में गुरुद्वारा नानक दरबार साहिब है, इसी तरह मंदिर भी हैं। कतर, यमन और बगदाद में भी मंदिर हैं। ऐसे

में मैंने इन्हें आगे आने को कहा।

**मोहब्बत के तोहफे के रूप में जमीन दीः** शाही इमाम ने कहा कि मोहम्मद इमरान हैप्पी ने 325 गज जगह, जिसकी कीमत 80 लाख बताई जा रही है, मंदिर कमेटी को तुरंत सौंप दी। हैप्पी ने इसे मोहब्बत के तोहफे के रूप में दिया है। हम उम्मीद करते हैं कि जो मोहब्बत सदियों से चली आ रही है, वह आगे भी ऐसे ही चलती रहेगी। पंजाब की धरती पहली पातशाही गुरु नानक देव जी के नाम से जानी जाती है। श्री गुरु नानक साहिब, जिन्हें हम अपना पीर मानते हैं और जिन्हें आप (सिख) अपना गुरु कहते हैं, उनके दाई और बाई ओर एक हिंदू मरदाना और एक बाला जी चलते थे। मुसलमान पहले दिन से सिखों की दाई-बाई बाजू की तरह रहे हैं। मैं समझता हूं कि ऐसा कर इन्होंने पंजाब को और ताकत दी है और पूरे भारत को नया संदेश दिया है।

**पंजाब की धरती से मिठास का संदेशः** शाही इमाम ने कहा कि कल भी धूरी में एक पंडित ने मस्जिद के लिए जगह दी। पिछले हफ्ते फतेहगढ़ साहिब के जखवाली में एक सरदार माता ने मस्जिद बनाने के लिए जगह दी है। पंजाब की धरती से मिठास का संदेश पूरे भारत के लिए अमृत है। यह एकता की मिसाल है।

हमारे संविधान में पहला नारा दिया गया है अनेकता में एकता। यानी हम अलग-अलग रंग, जाति और बिरादरी के होने के बावजूद कभी भी आपस में नहीं लड़ते। जो लड़ना चाहते हैं, उन्हें भी रोककर मोहब्बत का पाठ पढ़ाते हैं। मैं इन दोनों को बधाई देता हूं।

# नमो भारत ट्रेन यात्रियों को बड़ी सहूलियत, सराय काले खां से निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पहुंचाएगा ट्रैवलेटर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली में नमो भारत ट्रेन के सराय काले खां स्टेशन से हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन तक आवागमन करने के लिए यात्रियों को स्टेशनों से बाहर नहीं निकलना पड़ेगा। दोनों स्टेशनों को जोड़ने के लिए एनसीआरटीसी ने स्काई वॉक बनाकर तैयार कर लिया है। 280 मीटर लंबे इस स्काई वॉक पर यात्रियों के लिए ट्रैवेलेटर लगाए गए हैं। इन ट्रैवलेटर पर यात्री खड़े हो जाएंगे और एस्केलेटर की तरह खुद आगे बढ़ते जाएंगे। दिल्ली में एनसीआटीसी का यह पहला स्टेशन है, जिस पर यात्रियों के लिए ऐसी आधुनिक सुविधा दी गई है।

**छह ट्रैवेलेटर स्थापित किए गए :** एनसीआरटीसी के मुताबिक, इस स्काई वॉक (फुटओवर ब्रिज) का सिविल वर्क पूरा हो चुका है। इसके बाद इस पर छह ट्रैवेलेटर स्थापित कर दिए गए हैं। वर्तमान में इसकी छत बनाने का काम किया जा रहा है। उम्मीद है कि इसे मार्च तक खोल दिया जाएगा।

**इसलिए पड़ी जरूरत :** सराय काले खां नमो भारत स्टेशन और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के बीच की दूरी करीब 300 मीटर है। इस दूरी को देखते हुए पैदल यात्रियों के लिए एक फुट ओवर ब्रिज की जरूरत महसूस की गई ताकि यात्री इन दोनों परिवहन साधनों के बीच आसानी से यात्रा कर सकें। हजरत निजामुद्दीन स्टेशन से आने-जाने वाले महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों और विशेष रूप से दिव्यांगों सहित उन यात्रियों के लिए इस तरह की सुविधा बेहद फायदेमंद होगी, जो भारी सामान के साथ यात्रा करेंगे।

उचित कनेक्टिविटी की कमी के कारण लोगों को एक माध्यम से दूसरे माध्यम आने-जाने के लिए भारी ट्रैफिक वाली सड़कें पार करनी पड़ती हैं। व्यस्त यातायात के बीच जब गाड़ियां तेज रफ्तार से आ जा रही हों, यात्रियों को जोखिम बना रहता है।

**मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब बनेगा सराय काले खां :** दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के सबसे बड़े स्टेशनों में से एक, सराय काले खां स्टेशन परिवहन का प्रमुख केंद्र व मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब बनेगा। यह राजधानी दिल्ली को मेरठ के साथ जोड़ने के साथ ही, मेट्रो की पिंक लाइन, हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन, वीर हकीकत राय आईएसबीटी और रिंग रोड बस स्टैंड के साथ कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।

बता दें कि, 82 किलोमीटर लंबा आरआरटीएस (रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम) कॉरिडोर दिल्ली, गाजियाबाद और मेरठ से होकर गुजरता है, जो घनी आबादी वाले शहरी केंद्रों को जोड़ता है, और आनंद विहार और सराय काले खां जैसे स्टेशनों पर बहु-मॉडल एकीकरण पर जोर देता है। वर्तमान में, 11 स्टेशनों वाला 55 किलोमीटर का हिस्सा चालू है, जबकि शेष खंड जिनमें सराय काले खान-न्यू अशोक नगर और मेरठ साउथ-मोदीपुरम शामिल हैं - जल्द ही चालू होने की उम्मीद है। एनसीआरटीसी ने कहा कि वर्तमान में प्रतिदिन यात्रियों की औसत संख्या 55,000 से 60,000 के बीच है और पूर्ण रूप से चालू होने के बाद इसमें काफी वृद्धि होने का अनुमान है।

## सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक के भाजपा विधायक की याचिका पर सुनवाई से किया इनकार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कर्नाटक के भाजपा विधायक बीए बसवराज की याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। उन्होंने हत्या के मामले में अग्रिम जमानत देने से इनकार करने वाले हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि आप एक सार्वजनिक व्यक्ति हैं। आपको साहस के साथ आगे बढ़कर कहना चाहिए कि मैं किसी भी तरह की पूछताछ का सामना करने के लिए तैयार हूं। बसवराज को 15 जुलाई, 2025 को शिवप्रकाश उर्फ बिकला शिव की हत्या के मामले में आरोपितों में से एक के रूप में नामित किया गया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा याचिका पर सुनवाई करने से इनकार करने के बाद बसवराज की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी।

## सुप्रीम कोर्ट : विकास और पर्यावरण पर असर वाली गलतियां कम करें, न्यायिक निश्चितता बनाए रखें

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि देश की सर्वोच्च अदालत होने के नाते ऐसी गलतियां कम से कम करने का प्रयास होना चाहिए जिनका देश के विकास एवं वृद्धि या पर्यावरण पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। अदालत को समग्रता से देश पर पड़ने वाले निहितार्थों एवं परिणामों को भी देखना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जोयमाल्या बागची एवं जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने सचेत किया कि यह संदेश नहीं जाना चाहिए कि न्यायिक प्रणाली में पूर्वानुमान और निश्चितता का कोई तत्व नहीं है या अदालतें परस्पर विरोधी हैं। पीठ ने ये टिप्पणियां परियोजनाओं को पूर्व तिथि से पर्यावरणीय मंजूरी प्रदान करने से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कीं। शीर्ष अदालत ने पिछले वर्ष 18 नवंबर को अपना ही फैसला पलटते हुए केंद्र सरकार और अन्य प्राधिकारियों के लिए पर्यावरणीय मानकों का उल्लंघन करने वाली परियोजनाओं को भारी जुर्माने का भुगतान करने पर पूर्व तिथि से पर्यावरणीय मंजूरी प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त कर दिया था। अदालत का कहना था कि ऐसा नहीं करने से हजारों करोड़ रुपये बर्बाद हो जाएंगे। शीर्ष अदालत ने 2:1 के बहुमत से कहा था कि अगर 16 मई, 2025 का आदेश वापस नहीं लिया गया तो सरकारी कोष से लगभग 20 हजार करोड़ खर्च करके बनाई गई कई महत्वपूर्ण सार्वजनिक परियोजनाओं को ढहाना पड़ेगा। गुरुवार को सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायण ने नवंबर के फैसले की जिक्र करते हुए कहा कि तीन सदस्यीय पीठ ने मामले के गुण-दोष पर कुछ निष्कर्ष दिए थे। उन्होंने कहा कि मई का फैसला दो सदस्यीय पीठ का था। पीठ ने कहा, किसी भी हितधारक के मन में यह गलत धारणा नहीं बननी चाहिए कि आदेश पारित करने के दौरान अदालत सभी चीजों पर विचार नहीं करती। पुनर्विचार याचिका पर एक फैसला दिया गया है। पीठ ने विस्तार से मामले पर सुनवाई की और उन्होंने एक दृष्टिकोण अपनाया। हमें उस दृष्टिकोण का भी सम्मान करना चाहिए। कुछ वकीलों ने इस मामले में दायर अंतरिम अर्जियों का भी जिक्र किया। इस पर अदालत ने कहा कि वह इन अर्जियों समेत मामले पर सोमवार को सुनवाई करेगी।

## लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर मध्य प्रदेश के कारोबारी से मांगी 10 करोड़ की रंगदारी

**इंदौर, एजेंसी।** मध्य प्रदेश के अशोकनगर में दो व्यापारियों को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर धमकी मिली है। बुधवार को हुई इस घटना के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कारोबारी अंकित अग्रवाल ने सिटी कोतवाली को दिए आवेदन में बताया कि वाट्सएप पर उन्हें वाइस नोट मिला, जिसमें हैरी बाक्सर नाम के किसी व्यक्ति ने खुद को लारेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताते हुए 10 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी है। उसने रुपये नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी है।

## बेंगलुरु में हाईवे पर बाइक से टक्कर के बाद कैंटर से भिड़ी कार, 7 लोगों की मौत

**बेंगलुरु, एजेंसी।** कर्नाटक के बेंगलुरु में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां आज शुक्रवार सुबह ग्रामीण जिले होसकोटे के बाहरी इलाके में चेन रोड एक्सीडेंट में करीब सात लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, यह एक्सीडेंट होसकोटे-डबासपेट नेशनल हाईवे (एनएच-648) पर एम सत्यवारा गांव के पास हुआ। होसकोटे से देवनहल्ली की तरह जा रही एक्सयूवी 700 कार मोटरसाइकिल से टकरा गई। मोटरसाइकिल से टकराने के बाद कार ड्राइवर का कंट्रोल खो गया और गाड़ी एक कैंटर से जाकर टकरा गई। कार, मोटरसाइकिल और कैंटर की टक्कर में एक और कार शामिल हो गई।

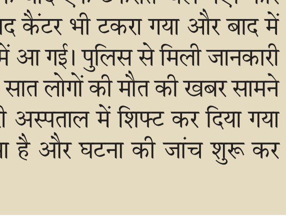

**बेंगलुरु हाईवे पर चार वाहनों में जोरदार टक्कर :** होसकोटे-डबासपेट नेशनल हाईवे पर चार वाहन एक के बाद एक टकराते चले गए। कार और मोटरसाइकिल की टक्कर के बाद कैंटर भी टकरा गया और बाद में एक और कार इस हादसे की चपेट में आ गई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, इस हादसे में अब तक सात लोगों की मौत की खबर सामने आई है। शवों को होसकोटे सरकारी अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है।

## मध्य प्रदेश में नाबालिग लड़की की शादी, 25 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

**भोपाल एजेंसी।** मध्य प्रदेश के दतिया जिले में बाल विवाह पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। प्रशासन ने 16 वर्षीय नाबालिग बालिका के विवाह के बाद बरातियों को रास्ते में घेरकर रुकवाया और सबको थाने लाकर विधिक कार्रवाई की। इस विवाह में सहयोग करने वाले 25 लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई गई। जिसमें वधु व वर पक्ष के स्वजन के अलावा विवाह में भोजन बनाने वाले हलवाई, टेंट संचालक और डीजे मालिक शामिल है। इन लोगों के विरुद्ध बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम-2006 की धाराओं में एफआइआर दर्ज कराई गई है। जिला कार्यक्रम अधिकारी अरविंद उपाध्याय ने बताया कि दस्तावेज की जांच में बालिका की उम्र 16 साल दो माह पाई गई। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है कि कोई भी सेवा प्रदाता शादी की बुकिंग करने से पहले वर व वधु के आयु संबंधी प्रमाण पत्र (अंकसूची या जन्मप्रमाण पत्र) अनिवार्य रूप से देखे। यदि किसी भी शादी में कोई नाबालिग पाया गया, तो सेवा देने वालों पर भी विधिक कार्रवाई की जाएगी।

## यमुना सिटी में बनेगा एआई का बड़ा टेक्नोलॉजी हब

### 25 बिलियन अमेरिकी डॉलर का आएगा निवेश

**नई दिल्ली, एजेंसी।** यमुना सिटी में एक गीगावॉट क्षमता का एआई का बड़ा तकनीकी केंद्र (कंप्यूट हब) स्थापित होगा। हाई परफॉर्मेंस कंप्यूट (एचपीसी) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) हब की स्थापना के लिए एमएस, एएम समूह ने इन्वेस्ट यूपी के साथ गुरुवार को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। परियोजना में करीब 25 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश आएगा।

**वर्ष 2028 तक शुरू हो जाएगा कंप्यूट हब का पहला चरण :** यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के सीईओ ने बताया कि परियोजना को विकसित करने के लिए कंपनी को सेक्टर-28 में 114 एकड़ तथा सेक्टर-8डी में 175 एकड़ भूमि के लिए आशय पत्र (एलओआई) सौंपा जा चुका है। समझौते के अनुसार, कंप्यूट हब का पहला चरण वर्ष 2028 तक शुरू हो जाएगा, जबकि वर्ष 2030 तक पूरी परियोजना पूरी कर ली जाएगी। यह पूरी तरह कार्बन-फ्री यानी हरित ऊर्जा पर आधारित होगी और चौबीसों घंटे इसका संचालन होगा। एमएस, एएम समूह ग्रीनको ग्रुप के संस्थापकों द्वारा प्रवर्तित भारत की अग्रणी नवीकरणीय ऊर्जा कंपनियों में से एक है।

**आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा :** उत्तर प्रदेश सरकार ने दावोस में भारत के सबसे बड़े एआई हब में से एक विकसित करने का संकल्प लिया है। इसी के तहत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति के तहत इस केंद्र को विकसित किया जाएगा। इससे हजारों लोगों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। साथ ही हार्डवेयर निर्माण, सॉफ्टवेयर विकास तथा विशेषीकृत कूलिंग तकनीकों के लिए एक मजबूत स्थानीय इकोसिस्टम तैयार होगा। दावा है कि यह परियोजना भारतीय डेवलपर्स को अत्याधुनिक चिपसेट्स तक व्यापक पहुंच उपलब्ध कराएगी, जिससे घरेलू और वैश्विक स्तर पर एआई समाधान विकसित करने में तेजी आएगी।

**देश की जरूरतों को पूरा करेगा :** एआई कंप्यूट हब एक शक्तिशाली तकनीकी केंद्र है। इसे विशेष रूप से एआई के भारी-भरकम कार्यों को संभालने के लिए बनाया जाता है। बताया जा रहा है कि यह केंद्र भारत में एआई और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग की बढ़ती मांग को देखते हुए देश की जरूरतों को बड़े पैमाने पर पूरा करेगा।

यह सुविधा पूरी तरह कार्बन-फ्री ऊर्जा समाधान पर आधारित होगी। एएम समूह एआई लैब्स मांग के अनुसार इलेक्ट्रॉन से लेकर इंटेलिजेंट टोकन तक की श्रृंखला विकसित कर रही है। इससे ऊर्जा, स्वास्थ्य, विनिर्माण, ऑटोमोबाइल, मीडिया, गेमिंग, क्लाउड सेवा सहित अन्य क्षेत्रों में लाभ मिलेगा। आरके सिंह, सीईओ यीडा, परियोजना को लेकर कंपनी का इन्वेस्ट यूपी के साथ गुरुवार को समझौता हो गया है। कंपनी क्षेत्र में एक गीगावॉट क्षमता का एआई कंप्यूट हब विकसित करेगी, जिससे क्षेत्र में 25 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश आएगा।

## मेरी छोटी बहन मुझसे भी खूबसूरत, मैं चाहती हूं वो आपसे मिलें

### एपस्टीन फाइल्स मे UAE की राजनयिक का नाम

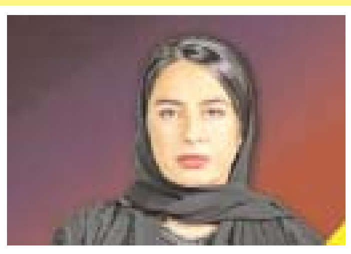

**वाशिंगटन, एजेंसी।** कुख्यात यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन मामले में अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा हाल ही में जारी दस्तावेजों में संयुक्त अरब अमीरात की एक वरिष्ठ राजनयिक हिंद अल-ओवैस का नाम सामने आया है। दस्तावेजों के अनुसार, हिंद अल-ओवैस ने जेफरी एपस्टीन के साथ सैकड़ों ईमेल का आदान-प्रदान किया था।

जेफरी एपस्टीन को किए ये ईमेल अल-ओवैस की एपस्टीन के साथ हुई सामाजिक मुलाकातों और उनकी छोटी बहन से जुड़े बताए गए हैं। एक ईमेल में अल-ओवैस कहती हैं कि उनकी छोटी बहन उनसे भी ज्यादा खूबसूरत है। बता दें कि हिंद अल-ओवैस वर्तमान में यूएई की स्थायी मानवाधिकार समिति की निदेशक हैं। इससे पहले वह संयुक्त राष्ट्र में वरिष्ठ सलाहकार रह चुकी हैं। अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जारी दस्तावेजों में खुलासा हुआ है कि हिंद अल-ओवैस ने 2011 से 2012 के बीच एपस्टीन के साथ लगभग 469 ईमेल का आदान-प्रदान किया था। हालांकि, दस्तावेजों में अल-ओवैस पर किसी भी तरह के आपराधिक कृत्य का आरोप नहीं लगाया गया है। लेकिन ईमेल से यह बात जरूर स्पष्ट हुई है कि उनके और एपस्टीन के बीच लगातार बातचीत होती थी।

**जेफरी एपस्टीन ने खरीदे थे हिडेन कैमरे :** बता दें कि यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन ने छोटे, आसानी से छुपाए जाने वाले कैमरे खरीदे थे। ये उसी वक्त खरीदे गए थे, जब उसके घरों में हाई प्रोफाइल मेहमान आते थे। दस्तावेजों में एपस्टीन के फार्म पर दीवारों और फॉल्स सीलिंग के भीतर कैमरों और ऑटोमेटेड रिकॉर्डिंग सिस्टम का भी उल्लेख है। अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जारी दस्तावेजों के अनुसार, 2012 के एक ईमेल में अल-ओवैस ने एपस्टीन को लिखा, एक लड़की को तैयार करना ही काफी मुश्किल है, दो लड़कियां निश्चित रूप से एक चुनौती हैं।

**मैं चाहती हूं वो आपसे मिले:** इसके जवाब में एपस्टीन ने पूछा, क्या वे सुबह 11 बजे के करीब आ सकते हैं ताकि उसे दोनों के साथ ज्यादा समय मिल सके। जिसके जवाब में अल-ओवैस ने अपनी बहन को एपस्टीन से मिलवाने की बात भी कही। एक ईमेल में उन्होंने लिखा, मेरी बहन यहां है और मैंने उसे आपके बारे में बहुत कुछ बताया है। मैं चाहती हूं कि वह आपसे मिले। वह मुझसे भी ज्यादा खूबसूरत एक अन्य ईमेल में हिंद अल-ओवैस ने कहा, मैं आपसे मिलने और अपनी बहन से परिचय कराने को लेकर बहुत उत्साहित हूं, वह मुझसे भी ज्यादा खूबसूरत है।

## न्यूयॉर्क हत्या साजिश मामला, अमेरिकी न्याय विभाग ने उठाया बड़ा कानूनी कदम

### निखल गुप्ता का नाम आया सामने

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** अमेरिकी न्याय विभाग ने एक गंभीर अंतरराष्ट्रीय साजिश मामले में बड़ा कानूनी कदम उठाया है। विभाग ने घोषणा की है कि एक भारतीय सरकारी कर्मचारी से जुड़े नाकाम साजिश के आरोप लगाए गए हैं, जिसका उद्देश्य न्यूयॉर्क सिटी में एक अमेरिकी नागरिक की हत्या करवाना था। इस मामले में केंद्रीय चेहरा भारतीय नागरिक निखल गुप्ता का नाम सामने आया है। अमेरिकी प्रॉसिक्यूटरों के अनुसार, उन पर आरोप है कि उन्होंने किराए के हत्यारे की व्यवस्था की और हत्या की योजना को अंजाम तक पहुंचाने के लिए सक्रिय साझेदारी की।

अमेरिकी जांच एजेंसियों के मुताबिक, निशाने पर रहने वाले व्यक्ति के रूप में अमेरिका आधारित सिख नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू का नाम लिया गया था। हालांकि, अमेरिकी एजेंसियों की कार्रवाई के चलते यह साजिश नाकाम रही और लक्ष्य की हत्या नहीं हो सकी। निखल गुप्ता को 2023 में चेक गणराज्य से गिरफ्तार किया गया था। बाद में कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें अमेरिका भेजा गया, जहाँ इस समय फ़ेडरल अदालत में मामला विचाराधीन है। कल होने वाली अदालत की पेशी को केस के अगले कानूनी पड़ाव के रूप में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाली सुनवाइयों में साक्ष्यों की प्रमाणिकता, साजिश की कानूनी परिभाषा और अंतरराष्ट्रीय भूमिकाओं से जुड़े बड़े खुलासे सामने आ सकते हैं। यह मामला केवल एक आपराधिक केस तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके प्रभाव भारत-अमेरिका कूटनीतिक संबंधों, विदेशी धरती पर निशानाबंदी कार्रवाई और प्रवासी सुरक्षा चर्चा तक फैलते देखे जा रहे हैं।

## संसद में महिलाओं के बाथरूम में कंडोम, पुरुषों में क्यों नहीं महिला सांसद ने उठाया सवाल तो

**सिडनी, एजेंसी।** ऑस्ट्रेलिया की संसद में 9 फरवरी को हुई सीनेट एस्टिमेट्स समिति की बैठक के दौरान एक अलग ही मुद्दा चर्चा में आ गया। बैठक में संसद भवन के जिम में कंडोम उपलब्ध कराने को लेकर सवाल उठाया गया। एक महिला सांसद ने दावा किया कि संसद भवन में केवल महिलाओं के बाथरूम और चेंजिंग रूम में कंडोम रखे गए हैं, जबकि पुरुषों के बाथरूम में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। उन्होंने इसे भेदभाव करार देते हुए सवाल उठाया कि क्या सेक्शुअल हेल्थ की जिम्मेदारी केवल महिलाओं की है? उनके इस बयान के बाद सदन में मौजूद कई नेता असहज नजर आए और कुछ जवाब देते समय उलझते हुए दिखाई दिए।

**जेन ह्यूम ने उठाया मुद्दा :** लिबरल पार्टी की सीनेटर जेन ह्यूम ने यह मुद्दा सीनेट एस्टिमेट्स समिति की बैठक में उठाया। उन्होंने बताया कि संसद भवन के जिम में महिलाओं के चेंजिंग रूम में कंडोम उपलब्ध हैं, लेकिन पुरुषों के चेंजिंग रूम में ऐसा कोई इंतजाम नहीं है। ह्यूम ने कहा कि यह व्यवस्था ऐसा संकेत देती है जैसे यौन स्वास्थ्य (सेक्शुअल हेल्थ) की पूरी जिम्मेदारी महिलाओं पर डाल दी गई हो, जबकि पुरुषों की भी इसमें बराबर की भूमिका और जिम्मेदारी है। उन्होंने पूछा कि अगर कंडोम उपलब्ध कराए जा रहे हैं, तो यह सुविधा दोनों के लिए समान रूप से क्यों नहीं है ।

**किस संदर्भ में उठा मुद्दा :** दरअसल, सीनेटर जेम्स मैकग्राथ संसद भवन के जिम में स्टाफ की संख्या और उनके कार्य समय में कटौती को लेकर सवाल उठा रहे थे। जानकारी के मुताबिक, अब जिम रात 8 बजे तक खुला नहीं रहेगा। प्रशासन का कहना है कि उपलब्ध डेटा के अनुसार ज्यादातर लोग सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे के बीच ही जिम का उपयोग करते हैं, इसलिए समय में बदलाव किया गया है। इसी चर्चा के दौरान जेन ह्यूम ने अचानक कंडोम वितरण का मुद्दा उठा दिया, जिससे बैठक का माहौल बदल गया।

**अधिकारियों का जवाब:** ह्यूम के सवाल पर विभागीय सचिव निकोला हिंडर ने माना कि इस व्यवस्था में असमानता है और उन्हें इस बारे में पहले से जानकारी नहीं थी। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि यह अच्छी बात है कि महिलाएं अपनी सेक्शुअल हेल्थ का ख्याल रख रही हैं। इस पर जेन ह्यूम ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मैं सिर्फ यह सोच रही हूं कि पुरुष अपनी जिम्मेदारी क्यों नहीं उठा रहे हैं।

**अन्य मुद्दों पर भी हुई बहस:** बैठक में संसद भवन के 11 सुइट्स के नवीनीकरण पर हो रहे 1.5 करोड़ डॉलर (करीब 125 करोड़ रुपये) के खर्च को लेकर भी सवाल उठाए गए। सीनेटर मैकग्राथ ने इस बड़े खर्च पर कड़ा रुख अपनाते हुए पारदर्शिता की मांग की।

## चीन में जमीन के अंदर समा गई सड़क, खुल गया पाताल का रास्ता

**शंघाई, एजेंसी।** चीन के शंघाई शहर में एक व्यस्त सड़क पर अचानक बड़ा सिंकहोल बन गया। यह पूरी घटना पास लगे सुरक्षा कैमरों में रिकॉर्ड हो गई। वीडियो में साफ दिख रहा है कि सड़क का बड़ा हिस्सा अचानक नीचे धंस जाता है और आसपास की संरचनाएं भी उसमें समा जाती है, जिससे वहां एक बड़ा गड्ढा बन गया। शंघाई में जमीन धंसने का खतरा पहले से बना रहता है। इसका मुख्य कारण वहां की नरम मिट्टी, भूजल का ज्यादा दोहन, पतली रेत की परतें और निर्माण कार्यों के करण जमीन के नीचे बने खाली स्थान हैं। ये सभी वजहें मिलकर कभी छोटे गड्ढे तो कभी बड़े सिंकहोल जैसी घटनाएं पैदा करती हैं। शंघाई की जमीन मुख्य रूप से नदी द्वारा लाई गई मिट्टी से बनी है।

## कांग्रेस की 'जन आक्रोश रैली' जीतू पटवारी शामिल

# विधायक बोले- अगर आज कलेक्टर यहां होते तो हम भी लाठी मारते

**मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)।** शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की अगुवाई में 'जन आक्रोश रैली' निकाली गई दोपहर 3 बजे जयस्तंभ चौक पहुंचे पटवारी का कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया तय प्रोग्राम के मुताबिक, जीतू पटवारी सबसे पहले जयस्तंभ से आंबेडकर चौक तक गए और वहां बाबा साहेब की प्रतिमा पर फूल चढ़ाए इसके बाद उन्होंने पैदल रैली निकाली और वापस जयस्तंभ पहुंचकर सभा को संबोधित किया सभा खत्म होने के बाद सभी कांग्रेसी कलेक्ट्रेट की ओर बढ़े, जहां जिला पंचायत सीईओ को ज्ञापन सौंपा गया हालांकि कलेक्टर डॉ. केदार सिंह मीटिंग के सिलसिले में भोपाल होने के कारण वहां मौजूद नहीं थे विधायक बोले- आज हम भी कलेक्टर को लाठी मारते जय स्तंभ में आयोजित जन आक्रोशित रैली के दौरान दौरान पुष्पराजगढ़ से कांग्रेस विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने एक विवादित बयान दे दिया उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लाठी चार्ज करने वाला कलेक्टर आज यहां नहीं है यदि वो यहां होता तो आज हम भी लाठी मार देते उन्होंने कहा कि अधिकारी ध्यान दे, रात के बाद भी सवेरा होता है 2028 में जब कांग्रेस की सरकार बनेगी तो सबसे चुन-चुन कर हिसाब किया जाएगा कोतमा के पूर्व विधायक सुनील सराफ ने भी कलेक्टर के खिलाफ जमकर बोला। उन्होंने कहा कि कलेक्टर तुझे जनता की सेवा के लिए यहां तैनात किया गया है कांग्रेसियों को लाठी मारने के लिए नहीं उन्होंने कहा कि हम लोकतांत्रिक तरीके से इसका विरोध करेंगे अवैध खनन का गढ़ बन चुका है जिसे कलेक्टर एसपी का संरक्षण है मोहन यादव ने कलेक्टर को लठैत बना दिया बिछिया विधायक और शहडोल के कांग्रेस संगठन प्रभारी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने प्रदेश के कलेक्टर्स को लठैत बना दिया है वे अब लाठियां भांजने लगे हैं उन्हें जवाब देने के लिए सभी को लठैत बनना होगा कांग्रेस की सरकार आयेगी तो इन्हें सबक सिखाया जाएगा नाबालिग के मुद्दे के साथ ही धनपुरी इलाके में पीने के साफ पानी की किल्लत को भी बड़ा मुद्दा बनाया गया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि इलाके के लोग लंबे समय से प्यासे हैं, लेकिन प्रशासन कोई स्थायी हल नहीं निकाल रहा है इस रैली के जरिए कांग्रेस ने प्रशासन को इन स्थानीय समस्याओं पर जमकर घेरा।

## सम्राट चौराहे पर युवक मूर्ति पर चढ़ा, पृथ्वीराज चौहान की प्रतिमा पर घंटो तक चला ड्रामा

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** शहर के सम्राट चौराहे पर शुक्रवार शाम एक युवक वीर शिरोमणि सम्राट पृथ्वीराज चौहान की मूर्ति पर चढ़ गया यह घटना करीब आधे घंटे तक चली जिससे चौराहे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया मौके पर मौजूद लोगों ने इस घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया जिसके बाद यह मामला तेजी से चर्चा में आ गया मूर्ति पर चढ़ने वाले युवक की पहचान रवि कुमार सिंह चौहान (28) के रूप में हुई है जो ग्राम पिपरोहर का निवासी बताया जा रहा है प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उसकी इस हरकत से कुछ देर के लिए चौराहे पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई स्थानीय निवासी रूद्र सिंह ने बताया कि युवक नशे की हालत में प्रतीत हो रहा था उन्होंने कहा वह अचानक मूर्ति पर चढ़ गया पहले तो लोगों को समझ नहीं आया कि क्या हो रहा है लेकिन बाद में स्थिति को देखते हुए पुलिस को सूचना दी गई सूचना मिलते ही सीधी कोतवाली थाना की टीम मौके पर पहुंची पुलिस ने सावधानीपूर्वक युवक को मूर्ति से नीचे उतारा और उसे अपने साथ थाने ले गई वहां उससे पूछताछ की जा रही है पूरे घटनाक्रम के संबंध में थाना प्रभारी अभिषेक उपाध्याय ने जानकारी दी कि युवक को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया है।

## 40 करोड़ की सरकारी जमीन पर अतिक्रमण, कब्जाधारी बोला- भगवान ने सपने में मंदिर बनवाने को कहा था

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** जिला विपणन कार्यालय की 40 करोड़ रुपए से अधिक की सरकारी जमीन पर अतिक्रमण का मामला सामने आया है आरोप राकू कामदार ने इस भूमि पर रातों-रात 11 सिर वाली हनुमान जी की मूर्ति स्थापित कर मंदिर निर्माण शुरू कर दिया है उसका कहना है कि भगवान ने सपने में मुझे मंदिर बनवाने के लिए कहा था इसलिए बनवाया इसमें किसी अनुमति लेने की कोई जरूरत ही नहीं। इस संबंध में जिला विपणन कार्यालय के अधिकारियों ने प्रशासन से शिकायत की है प्रभारी जिला विपणन अधिकारी मंजुलता गौतम ने बताया कि विभाग ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करने के साथ ही कोतवाली थाना प्रभारी, एसडीएम, तहसीलदार और कलेक्टर को लिखित शिकायत दी है उन्होंने आरोप लगाया कि 1 जनवरी की रात अंधेरे का फायदा उठाकर मूर्ति स्थापित की गई थी

**अधिकारी से अभद्रता और गाली-गलौज:** मंजुलता गौतम के अनुसार, पटवारी को मौके पर भेजकर जमीन का नाप और स्थल पंचनामा कराया गया जिसमें भूमि शासकीय पाई गई तहसीलदार स्तर पर हुई प्रारंभिक जांच में भी यह पुष्टि हुई है कि संबंधित भूमि राकू कामदार की निजी नहीं है जिला विपणन अधिकारी नरेंद्र सिंह ने बताया कि जब उन्होंने अतिक्रमण का विरोध किया तो उनके साथ अभद्रता और गाली-गलौज की गई इसके बाद उन्होंने थाना कोतवाली में आवेदन दिया कोतवाली थाना प्रभारी अभिषेक उपाध्याय ने पुष्टि की है कि उन्हें आवेदन प्राप्त हुआ है और मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी तहसीलदार गोपद बनास राकेश शुक्ला ने भी बताया कि पटवारी जांच के आधार पर तथ्य जुटाए जा रहे हैं और शासकीय भूमि पर अतिक्रमण की शिकायत को गंभीरता से लिया जा रहा है आरोपी बोला- भगवान ने सपने में मंदिर बनवाने को कहा राकू कामदार ने सभी आरोपों से इनकार किया है उनका कहना है कि मंदिर उनकी निजी जमीन पर बन रहा है।

## पक्का मकान का सपना हुआ साकार बालगोविंद साकेत की बदली जिंदगी

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** ग्राम पंचायत नौगवां धीर सिंह के निवासी बालगोविंद साकेत का वर्षों पुराना पक्का मकान का सपना अब साकार हो गया है प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत उन्हें नया पक्का घर प्राप्त हुआ है जिससे उनके परिवार के जीवन में खुशियों की नई शुरुआत हुई है पूर्व में साकेत अपने परिवार के साथ कच्चे एवं जर्जर मकान में निवास करते थे बरसात के समय घर की छत से पानी टपकता था और हर मौसम में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे स्वयं का पक्का एवं सुरक्षित मकान बनवाने में असमर्थ थे योजना के अंतर्गत पात्र पाए जाने पर उनका आवास स्वीकृत हुआ और चरणबद्ध रूप से निर्माण कार्य पूर्ण किया गया आज उनका सुंदर एवं मजबूत पक्का मकान तैयार है जिसमें वे अपने परिवार के साथ सुरक्षित सम्मानजनक एवं सुखद जीवन व्यतीत कर रहे हैं बालगोविंद साकेत ने बताया कि अब उन्हें बारिश, आंधी और ठंड की चिंता नहीं रहती बच्चों को पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण मिला है और पूरा परिवार स्वयं को सुरक्षित महसूस करता है उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना को गरीब परिवारों के लिए वरदान बताते हुए सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है।

## ओवरलोड रेत वाहन जब्त दो बसें भी पकड़ीं, कलेक्टर निर्देश पर परिवहन-खनिज विभाग की संयुक्त कार्रवाई

**मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)।** अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई डीएल (जिला स्तरीय) बैठक में दिए गए निर्देशों के बाद शुक्रवार को परिवहन और खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने महुआगंवा-सरई-सीधी-रीवा मार्ग पर सघन जांच अभियान चलाया इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ओवरलोड रेत, राखड़ (फ्लाई ऐश), कोयला और गिट्टी के अवैध परिवहन पर अंकुश लगाना है इसके साथ ही सड़क सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करना भी इसका लक्ष्य है जांच के दौरान बिना तिरपाल, ओवरलोड और वैध दस्तावेजों के बिना परिवहन कर रहे वाहनों पर विशेष ध्यान दिया गया संयुक्त टीम ने कार्रवाई के दौरान नियमों का उल्लंघन करती हुई दो बसों को पकड़ा जिन पर चालानी कार्रवाई की गई चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की भी समझाइश दी गई इसके अलावा ओवरलोड रेत का परिवहन कर रहे वाहन क्रमांक MP zx ZC 5860 को जब्त कर निवास चौकी परिसर में सुरक्षित खड़ा कराया गया जांच के दौरान वाहनों के पीयूसी प्रमाणपत्र, फिटनेस, बीमा, खनिज परिवहन अनुमति (ई-टीपी) सहित अन्य वैधानिक दस्तावेजों की भी गहन पड़ताल की गई यह अभियान सरई थाना क्षेत्र के बंधा-पचौर-महुआगंवा से लेकर निगरी चौकी तक चलाया गया सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चिन्हित मालवाहक वाहनों में रेडियम रिफ्लेक्टर भी लगाए गए प्रशासन ने चेतावनी दी है कि भविष्य में अवैध खनिज परिवहन, शासकीय कार्य में बाधा या अमर्यादित व्यवहार पाए जाने पर संबंधित वाहन स्वामी और चालक के खिलाफ बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) सहित अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज की जाएगी।

## किशोरों को उनके अधिकारों, कर्तव्यों एवं पुनर्वास की प्रक्रिया से कराया गया अवगत

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में शुक्रवार 13 फरवरी 2026 को किशोर न्याय बोर्ड सीधी में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया शिविर में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुकेश कुमार शिवहरे, प्रभारी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड सुनीता रावत तथा जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक उपस्थित रहे कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरों को उनके अधिकारों कर्तव्यों तथा पुनर्वास की प्रक्रिया के संबंध में जागरूक करना था सचिव शिवहरे ने जानकारी दी कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा गरीब, असहाय, महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांगजन एवं समाज के अन्य पात्र वर्गों को नि:शुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है उन्होंने कहा कि कानून का मूल उद्देश्य दंड देना नहीं बल्कि सुधार का अवसर प्रदान कर किशोरों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है ताकि वे पुन: स्थापित होकर अपने परिवार एवं समाज का नाम रोशन कर सकें इस अवसर पर सुश्री सुनीता रावत ने बाल संरक्षण कानून, किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, महिला एवं बच्चों के अधिकार तथा कमजोर वर्गों के लिए उपलब्ध कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी।

## इन्क्यूबेशन सेंटर में स्टार्टअप आइडिया व बिजनेस मॉडल पर हैंड्स-ऑन प्रशिक्षणविद्यार्थियों को स्टार्टअप एवं उद्यमिता की दी गई व्यावहारिक जानकारी

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के इन्क्यूबेशन सेंटर में 13 फरवरी 2026 को स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम के अंतर्गत 'स्टार्टअप आइडिया, वैल्यू प्रपोज़िशन एवं अर्ली स्टेज बिजनेस मॉडल' विषय पर एक दिवसीय हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की और उद्यमिता के व्यावहारिक पहलुओं को समझा कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. के.एस. नेताम, डॉ. उमेश कुमार सोनी, डॉ. मुकेश कुमार यादव, डॉ. पुष्पेन्द्र कुमार साह, डॉ. शशिकला पटेल तथा इन्क्यूबेशन सेंटर के नोडल अधिकारी प्रोफेसर राकेश कुमार प्रजापति उपस्थित रहे प्रशिक्षण सत्र के दौरान प्रो. प्रजापति ने विद्यार्थियों को स्टार्टअप आइडिया जनरेशन के प्रमुख स्रोतों, वर्तमान बाजार प्रवृत्तियों (ट्रेंड्स), उपभोक्ताओं की रोजमर्रा की समस्याओं पर आधारित नवाचार विकसित करने के तरीकों तथा प्रभावी वैल्यू प्रपोज़िशन तैयार करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी उन्होंने शुरुआती चरण के बिजनेस मॉडल तैयार करने की रूपरेखा, संसाधनों के प्रबंधन, संभावित ग्राहकों की पहचान तथा बाजार में प्रतिस्पर्धा की रणनीतियों पर भी प्रकाश डाला प्रशिक्षण को केवल सैद्धांतिक न रखते हुए विद्यार्थियों को समूह गतिविधियों केस स्टडी एवं विचार-मंथन सत्रों के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया इससे प्रतिभागियों को अपने स्वयं के स्टार्टअप विचार विकसित करने और उन्हें संरचित बिजनेस मॉडल में परिवर्तित करने की समझ प्राप्त हुई समापन अवसर पर प्रभारी प्राचार्य डॉ. के.एस. नेताम ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में नवाचार और उद्यमिता आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला हैं उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे इन्क्यूबेशन सेंटर द्वारा प्रदान किए जा रहे मार्गदर्शन और संसाधनों का अधिकतम उपयोग करें तथा स्वरोजगार और स्टार्टअप की दिशा में ठोस कदम बढ़ाएं कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में उद्यमशीलता की भावना विकसित करना तथा उन्हें रोजगार खोजने के बजाय रोजगार सृजक बनने के लिए प्रेरित करना था।

## जिला जेल सीधी में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर आयोजित

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में शुक्रवार 13 फरवरी 2026 को जिला जेल सीधी में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया शिविर का संचालन सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुकेश कुमार शिवहरे एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक द्वारा किया गया कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जेल में निरुद्ध बंदियों को उनके संवैधानिक अधिकारों, विधिक सहायता योजनाओं तथा नि:शुल्क विधिक सेवाओं के संबंध में जागरूक करना था। सचिव शिवहरे ने शिविर के दौरान बंदियों से उनके अधिवक्ताओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की और बताया कि जिन बंदियों के पास निजी अधिवक्ता नहीं हैं वे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से नि:शुल्क अधिवक्ता प्राप्त कर सकते हैं उन्होंने बंदियों को उनके अधिकारों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रत्येक बंदी को विधिक सलाह और सहायता प्राप्त करने का अधिकार है इस दौरान जेल की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया तथा बंदियों से व्यक्तिगत संवाद कर उनके आपराधिक प्रकरणों, नियुक्त अधिवक्ताओं एवं पेशी की तिथियों के संबंध में जानकारी ली गई बंदियों से अपील की गई कि वे जेल को सुधार गृह के रूप में देखें, आत्ममंथन करें और सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करे।

# कोल माफिया ने रेंजर को पीटा, वर्दी फाड़ी

## डीएफओ बोलीं- पुलिस के संरक्षण में अवैध उत्खनन

**मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)।** कोल माफिया ने वन विभाग के रेंजर को पीटा उनकी वर्दी फाड़ दी डीएफओ के साथ भी गाली-गलौज की माफिया ने पहले गांव वालों को भी पीटा। अवैध कोयले से भरे ट्रैक्टर को बीच सड़क पर डंप करके भाग गए शिकायत के बाद वन विभाग की टीम शिकायत के बाद पहुंची थी बड़ी बात ये है कि घटना के बाद भी 24 घंटे तक पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की। गुरुवार देर रात मामले में केस दर्ज किया गया डीएफओ श्रद्धा पंद्रे का आरोप है कि पुलिस ने कार्रवाई में सहयोग नहीं किया। यहां तक कि अधिकारियों ने फोन तक नहीं रिसीव किया घटना खेतावली गांव के ऊपर टोला में 11 फरवरी की रात की है वन विभाग को सूचना मिली थी कि ग्रामीण अवैध कोयला परिवहन कर रहे ट्रैक्टर को पकड़े हैं ग्रामीणों ने पुलिस और वन विभाग दोनों को शिकायत की थी वन विभाग की टीम पहले मौके पर पहुंची जबकि पुलिस टीम देर से पहुंची वन विभाग की टीम को अकेला पाकर कोल माफिया हमला कर दिया उन्होंने रेंजर की गाड़ी रोकी, उन्हें बाहर निकाला और मारपीट की बाद में मौके पर पहुंची 11 फरवरी की रात का है इसमें माफिया ने वन विभाग की गाड़ी रोक ली थी डीएफओ श्रद्धा पंद्रे ने बताया कि 11 फरवरी की रात ट्रैक्टर पकड़ने की सूचना मिली थी इस पर रेंजर रामनरेश विश्वकर्मा को मौके पर भेजा मैं बुढ़ार में मीटिंग के बाद घटनास्थल के लिए रवाना हुई हथियारों से लैस आरोपियों ने रेंजर की गाड़ी रोक ली, घेर लिया रेंजर को गाड़ी से बाहर खींचा गया और उनके साथ मारपीट हुई उनकी वर्दी भी फट गई रेंजर जैसे-तैसे वहां से भाग निकले तुरंत पुलिस से मदद लेने और खुद आला अधिकारियों को सूचना देने को कहा डीएफओ बोलीं- पुलिस नहीं लिख रही थी एफआईआर डीएफओ ने बताया कि पुलिस कोल माफिया के पक्ष में काम कर रही है रेंजर घटना के बाद रात 11 बजे तक सोहागपुर थाना पहुंचे, लेकिन सुबह 4 बजे तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई रेंजर रामनरेश विश्वकर्मा का कहना है कि पुलिस ने तीन बार आवेदन तीन बार बदलवाया पुलिस कह रही थी कि आवेदन उनकी तरह नहीं बल्कि पुलिस के अनुसार लिखा जाए रेंजर बार-बार आवेदन बदल रहे थे लेकिन बावजूद एफआईआर दर्ज नहीं हुई डीएफओ ने बताया कि घटना 11 फरवरी की शाम करीब 7 बजे हुई। रेंजर उसी रात करीब 11 बजे सोहागपुर थाना पहुंचे लेकिन अधिकारियों ने गुमराह किया। कहा कि एफआईआर दर्ज हो गई है। बावजूद 12 फरवरी की रात 8 बजे तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई। पुलिस लगातार कह रही थी कि पहले वन कर्मचारियों के बयान लेंगे, उसके बाद ही कोल माफिया के खिलाफ कार्रवाई करेंगे उन्होंने बताया कि जब वह पुलिस अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश कर रही थीं, तो अधिकारी कई बार फोन नहीं उठाते थे 5-7 बार कॉल करने पर एक बार ही बात होती थी।

## महिला स्व सहायता समूह 'किसान पाठशाला' एवं कृषक संगोष्ठी का आयोजन

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह सोलंकी तथा ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला परियोजना प्रबंधक पुष्पेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में ग्राम छुही स्थित गुलाब सागर सीएलएफ कार्यालय में महिला स्व सहायता समूह 'किसान पाठशाला' एवं कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया कार्यक्रम में कृषि विभाग से अनिल चौहान एवं किशोर राउत तथा पशुधन विकास विभाग से बी.जी. जायसवाल उपस्थित रहे विशेषज्ञों द्वारा किसानों एवं महिला स्व सहायता समूह की सदस्यों को प्राकृतिक खेती, उन्नत पशुपालन तथा गोट (बकरी) क्लस्टर विकास विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को आधुनिक कृषि तकनीकों, पशुधन प्रबंधन, पोषण आहार, रोग नियंत्रण तथा आजीविका संवर्धन के व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी गई साथ ही बताया गया कि प्राकृतिक संसाधनों के समुचित उपयोग एवं समूह आधारित गतिविधियों के माध्यम से आय में वृद्धि कर आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त कदम बढ़ाए जा सकते हैं।

# स्पीकर पर 'अविश्वास'

संपादकीय

लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास और उन्हें पद से हटाने के प्रस्ताव का नोटिस अधूरे विपक्ष ने दिया है। प्रस्ताव पर 119 सांसदों के हस्ताक्षर हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और सपा नेता अखिलेश यादव समेत तृणमूल कांग्रेस के 28 सांसदों और आम आदमी पार्टी (आप) के तीन सांसदों ने हस्ताक्षर नहीं किए हैं, लिहाजा विपक्ष विभाजित और अधूरा है। साफ है कि यह कांग्रेस का प्रस्ताव है और उसे वामदलों का समर्थन हासिल है। हालांकि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस ने वाममोर्चे से गठबंधन तोड़ कर अकेले ही चुनाव लडने की घोषणा की है। केरल में ये दोनों पक्ष धुर प्रतिद्वंद्वी हैं, लेकिन केंद्र की राजनीति में एक-दूसरे से चिपके हैं। यह अहम सवाल और संदेह है कि नेता प्रतिपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव पर हस्ताक्षर क्यों नहीं किए? जबकि स्पीकर के खिलाफ अविश्वास का आधार ही नेता प्रतिपक्ष हैं। आरोप हैं कि स्पीकर ने उन्हें सदन में बोलने क्यों नहीं दिया? कांग्रेस और विपक्ष के 8 सांसदों का निलंबन वापस लिया जाए। कांग्रेस की जिन महिला सांसदों ने प्रधानमंत्री मोदी की सीट का घेराव किया था और उस पर स्पीकर ने जो आशंकित टिप्पणी की थी, उस पर भी कांग्रेस स्पीकर के व्यवहार से नाराज है। कमाल यह है कि सदन में प्रधानमंत्री की सीट का घेराव हो और स्पीकर अप्रत्याशित, अप्रिय घटना होने की आशंका व्यक्त करें और संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू उस घेराबंदी का वीडियो जारी करें, लेकिन एक प्राथमिकी तक दर्ज नहीं की गई! क्या प्रधानमंत्री की सुरक्षा गंभीर और संवेदनशील मुद्दा, सरोकार नहीं है? बहरहाल मोदी कालखंड के दौरान अविश्वास प्रस्तावों का उल्लेख करने से पहले देश को यह बताना बेहद जरूरी है कि लोकसभा के प्रथम स्पीकर गणेश वासुदेव मावलंकर के खिलाफ भी 15 दिसंबर, 1954 को अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया गया था। उन्हें 'लोकसभा का जनक' माना जाता है और उन्हें 'दादा साहेब' कहकर संबोधित करते थे।

अविश्वास का सिलसिला यहां से शुरू हुआ और 24 नवंबर, 1966 को तत्कालीन स्पीकर सरदार हुकुम सिंह के खिलाफ मधु लिमये ने नोटिस दिया। 1967 में स्पीकर नीलम संजीवा रेड्डी के प्रति अविश्वास व्यक्त किया गया। 15 अप्रैल, 1987 को तत्कालीन स्पीकर बलराम जाखड़ के खिलाफ सीपीएम नेता सोमनाथ चटर्जी ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। सोमनाथ बदलते समीकरणों के तहत कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान स्पीकर बने। केंद्र में भाजपा-एनडीए सरकार के दौरान स्पीकर रहे बालयोगी के खिलाफ 2001 में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया। गौरतलब यह है कि ये तमाम अविश्वास प्रस्ताव नाकाम रहे और किसी भी स्पीकर को उनके पद से हटाया नहीं जा सका।

## उप्र सरकार का 'ऑपरेशन लंगड़ा' और 'ऑपरेशन बुलडोजर' कानून की नजर में

सनत जैन

उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ वर्षो में अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिए हैं। उसके बाद उत्तर प्रदेश में दो शब्द खूब चर्चा में रहे हैं- 'ऑपरेशन लंगड़ा' और 'ऑपरेशन बुलडोजर'। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ऐसे ही शासन व्यवस्था की पहचान बन चुके हैं। राज्य सरकार का दावा है, इन अभियानों ने अपराधियों में भय पैदा किया है। उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था मजबूत हुई है। वहीं आलोचकों का कहना है, इन कार्रवाइयों ने विधि-व्यवस्था के साथ-साथ संवैधानिक सिद्धांतों पर भी गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। उत्तर प्रदेश में पुलिस राज कायम हो गया है। शासन की सरपरस्ती में उत्तर प्रदेश की पुलिस बेखौफ हो गई है। अपराध कम होने के स्थान पर बढ़ते चले जा रहे हैं। हां पुलिस को लेकर आम आदमी भयभीत है, इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। इसका कब कौन शिकार हो जाएगा, इसको लेकर आम नागरिक हमेशा असमंजस में रहते हैं। रही सही कसर धार्मिक ध्रुवीकरण के कारण उत्तर प्रदेश में भय एवं आतंक का वातावरण बना हुआ है। 'ऑपरेशन लंगड़ा' शब्द उन पुलिस मुठभेड़ों के लिए प्रचलित हुआ, जिसमें आरोपियों के पैर में गोली लगने की घटनाएं बड़े पैमाने पर सामने आई हैं। कई मामलों में अदालतों ने पुलिस की कार्यवाही के खिलाफ टिप्पणी की है। कानून के हिसाब से पुलिस की भूमिका आरोपी को पकड़कर न्यायालय के सामने प्रस्तुत करना है, नाकि आरोपी या अपराधी को सीधे दंडित करना है। इलाहाबाद हाईकोर्ट स्पष्ट कर चुका है, न्याय करने का अधिकार अदालत के पास है, पुलिस के पास नहीं। यदि उत्तर प्रदेश की हर मुठभेड़ की कहानी एक जैसी हो, आत्मरक्षा में गोली चलाने से अपराधी की मौत या अपराधी के पैर में गोली लगना, इन दोनों को न्यायपालिका, पुलिस द्वारा कानून का उल्लंघन मानती है। जिस बड़े पैमाने पर उत्तर प्रदेश में इस तरह की घटनाएं बढ़ती चली जा रही हैं, उसके बाद न्यायपालिका की भी चिंता बढ़ती जा रही है। 'ऑपरेशन बुलडोजर' के तहत अवैध निर्माणों को हटाने की प्रशासनिक कार्रवाई पर न्यायपालिका द्वारा विरोध जताया गया है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के स्पष्ट निर्देश होने के बाद भी सरकार का तर्क है, यह कार्रवाई कानून के तहत की गई है। अवैध संपत्तियों और अपराध से अर्जित परिसंपत्तियों के खिलाफ कार्यवाही है। पुलिस को यदि रक्षा के लिए हथियार दिए गए हैं तो वे देखने के लिए नहीं बल्कि चलाने के लिए हैं। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों द्वारा कई बार बिना पर्याप्त नोटिस या बिना सुनवाई के घरों को गिरा दिया गया। जिससे 'न्यायिक प्रक्रिया' को लेकर सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट कई निर्देश जारी कर चुकी है। सरकार द्वारा उन आदेशों और निर्देशों पर अमल नहीं हो रहा है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 में (समानता के अधिकार) और अनुच्छेद 21 में (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का जो संवैधानिक अधिकार) दिया गया है उसके तहत किसी भी नागरिक के साथ विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के बिना कार्रवाई नहीं की जा सकती। यदि इस तरीके की कार्यवाही की जाती है, तो वह पूरी तरीके से गैर कानूनी और अवैधानिक है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रशासनिक और पुलिस द्वारा चलाए जा रहे, इस तरह के अभियानों का सार्वजनिक रूप से समर्थन किया है। मुख्यमंत्री का कहना है, अपराध के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' नीति जरूरी है। सरकार की सरपरस्ती में उत्तर प्रदेश के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी बेखौफ होकर आम नागरिकों को दंडित करने लगे हैं, जिसके कारण उत्तर प्रदेश में न्यायपालिका एक तरह से अलग-थलग पड़ चुकी है। सरकार का यह तर्क अपनी जगह महत्वपूर्ण है, आम नागरिक सुरक्षा और शांति चाहता है। परंतु लोकतांत्रिक व्यवस्था में कानून के पालन में सख्ती और संवैधानिक मर्यादा में नियम और कानून का पालन हो यह सुनिश्चित कार्यपालिका के लिए अनिवार्य है। कानून की नजर में कोई भी व्यक्ति तब तक अपराधी नहीं माना जाता, जब तक अदालत उसे दोषी न ठहरा दे। यदि राज्य की शक्ति को दंडात्मक रूप में राज्य के अधिकारी उपयोग करने लगेंगे तो ऐसे में नागरिकों के अधिकार और न्यायिक प्रक्रिया पीछे छूट जाएगी।

**"आत्मा तीन नश्वर शरीरों में समाहित है, पहला शरीर मांस है, जिसे स्पर्श कर अनुभव कर सकते हैं। दूसरा शरीर तंत्रिका ऊर्जा है जो मांस को चैतन्य करती है और तीसरा आत्मा का शरीर है जो अदृश्य है। आत्मा का शरीर कर्मों के ऋणों से बंधा है। जब तक यह शरीर पिछले जन्मों के संचित ऋणों से मुक्त नहीं हो जाता, आत्मा को मत्यु लोक में भटकना पड़ता है।यम देवता मृत्यु और पुनर्जन्म से संबंधित हैं। उनका पाश हमारी आत्मा का बंधन है। जबकि कामदेव पुष्पशरों से निरंतर वासनाओं को उद्वेलित करते रहते हैं। आख्यानों में प्रेम और ऋण का परस्पर अंतर्संबंध हैं। जिसे श्रीराम के वंशज मंधाता (जिनके माता-पिता एक हैं) द्वारा प्रस्तुत तर्कों से समझा जा सकता है। इसमें उनके पिता वल्लभी के सम्राट युवनाश्च द्वारा पूछे गये प्रश्न की विवेचना है ।"**

## प्रणय पर्व : प्रेम और कर्तव्य का अंतर्संबंध

राकेश कुमार वर्मा

दो घनिष्ठ मित्रों में से यदि एक शापवश कन्या बन जाता है। ऐसे में वे पति पत्नी की तरह जीवन बिताना चाहते हैं। लेकिन कन्या बने युवक के आत्मज पूछते हैं कि उनका श्राद्ध कौन करेगा। ऐसे में युवक बने कन्या को कैसे व्यवहार करना चाहिए–अपने पूर्वजों की संतुष्टि के लिए एक पुरुष की तरह या अपने मित्र की संतुष्टि के लिए एक महिला की तरह मंधाता ने कहा - एक पुरुष की तरह। क्योंकि एक महिला की तरह व्यवहार करना कामना के आगे समर्पण करना है। कामना धर्म के लिए बाधक है, जो समय के साथ परिवर्तित होती रहती है जिस पर विश्वास नहीं किया जा सकता। वहीं जो समय के साथ नहीं बदलता वह है कर्तव्य, जिस पर भरोसा किया जा सकता है।यह जन्म के समय तय होता है। क्योंकि जन्म हमारे जैविक और वंशानुगत गुण को प्रकट करते है, इसी प्रकार के दर्शन से प्रेरित होकर जरतकारु और अगस्त्य का विवाह हुआ के जिनके संतान में पुत्र को पुत्र और पुत्री कहा गया, क्योंकि उनके जन्म से ही उनके माता-पिता को पुत नामक नरक से मुक्ति मिली । कला में पितरों को आमतौर पर पुरुष रूप में दर्शाया जाता है, क्योंकि प्रतीकों की भाषा में पुरुष रूप आत्मा का और स्त्री रूप शरीर का प्रतीक है।

प्रेम भावनाओं की चंचलता है, जो कभी-कभी विरोधाभासी भी हो सकता है, जबकि ऋण जीवन और आकांक्षाओं से जुड़ा है। जब तक भूख या सांसारिक सुख जैसे उपभोग या महत्वाकांक्षा को तुष्ट करते रहेंगे ,तब तक हम समाज और प्रकृति के ऋणी होते रहते हैं,जिन्हें यज्ञ (परोपकार) के माध्यम से संतुलित किया जाता है।

ग्रीस में प्रेम के देवता को इरोस नामक एक चंचल बच्चे के रूप में देखा जाता था। एक कुशल धनुर्धर की तरह वह दो प्रकार के तीर रखता था - एक सोने की नोक वाला और दूसरा सीसे की नोक वाला। सोने की नोक वाले तीर लोगों को अनुराग के लिए प्रेरित करते थे। जबकि सीसे की नोक वाला तीर घृणा उत्पन्न करता थे। सौंदर्य और उर्वरता की देवी वीनस के इस पुत्र को सामाजिक नियमों की परवाह नहीं थी, जिससे संगठन और व्यवस्था के देवता अपोलो चिन्तित थे जबकि रचनात्मक अराजकता के देवता डायोनिसस को इस अनैतिकता से प्रसन्नता होती थी।

वेलेंटाइन डे की उत्पत्ति से जुड़ी एक प्रचलित मान्यता क्लॉडियस द क्रूर से संबंधित है। इसके अनुसार, तीसरी शताब्दी के दौरान रोम में वेलेंटाइन सेवा करने वाले एक पुजारी थे। जब सम्राट क्लॉडियस द्वितीय ने यह निर्णय लिया कि अविवाहित पुरुष विवाहित पुरुषों की तुलना में बेहतर सैनिक होते हैं, तो उन्होंने अपने भावी सैनिकों के लिए विवाह प्रतिबंधित कर दिया। वेलेंटाइन ने क्लॉडियस की अवज्ञा की और गुप्त रूप से युवा प्रेमियों के विवाह संपन्न कराते रहे। इस अपराध के लिए क्लॉडियस ने लगभग 270 ईस्वी में 14 फरवरी को वेलेंटाइन को मृत्युदंड का आदेश दिया। आज अन्य पर्वों की तरह वैलेंटाइन डे कारपोरेट जगत से संचालित हैं। दुनिया भर में उपहार निर्माताओं ने इससे मिलने वाले व्यावसायिक अवसर का लाभ उठाने के लिए इसे लोकप्रिय बनाया। अन्यथा प्रेम संबंधों में तो हर दिन एक उत्सव है। मानवीय भावनाओं का स्नेह, अनुराग पूर्व नियोजित कोई विशेष दिन नहीं होता। लेकिन आज माता, पिता, मित्र, शिक्षक बहन,पत्नी, प्रेमिका इत्यादि के दिवस के नाम पर बाजार चांदी काट रहा है।भारत में, प्रेम के देवता को गन्ने और पुष्पों के धनुर्धर के रूप में जाना जाता है। मन को मथन वाले देवता के कारण उन्हें मनमथ भी कहा जाता हैं, जो तोते पर सवार मछली ध्वज लहराते हुए गन्ने के धनुष पर मधुमक्खियों की प्रत्यंचा पर पुष्पशर का संधान कर जीवन में प्रवेश करते हैं। भर्तृहरि रचित श्रृंगार शतकं में उनकी स्तुति है कि

शम्भुस्वयम्भुहरयो हरिणेक्षणानां
येनाक्रियन्त सततं गृहकर्मदासाः
वाचामगोचरचरित्रविचित्रिताय
तस्मै नमो भगवते कुसुमायुधाय

अर्थात : जिन्होंने ब्रम्हा,, विष्णु और महेश को मृगनयिनी कामिनियों के घर का चूल्हा-चौका करने के लिए दास बना रखा है, जिनके विचित्र चरित्रों का वर्णन वाणी से नहीं किया जा सकता, ऐसे पुष्पायुध, भगवान् कामदेव को नमन ।

कामदेव का कोई आकार नहीं होने के कारण वे अनंग कहलाते है इसलिए उनके प्रतीक के रूप में, सूर्य और चंद्रमा की पूजा की जाती है। जिनकी किरणें शरीर में कामुकता की भावना जगाती हैं। भक्ति काल में कामदेव को विष्णु और लक्ष्मी के पुत्र के रूप में देखा जाता था। कामदेव की तरह, विष्णु भी तोतों, मधुमक्खियों, मकर राशि, तितलियों, फूलों, गन्ने, सुगंध, सुंदरता और मोहक शरारती मुस्कान से जुड़े हैं। विष्णु के रूपों में से एक मोहिनी है। कृष्ण के रूप में, विष्णु मदन-मोहन बन जाते हैं, जो कामदेव को भी मोहित कर लेते हैं। यह आकर्षक प्रेमी बांसुरी बजाते हुए राधा को यमुना नदी के किनारे वृंदावन नामक कुटिया में नृत्य करने के लिए आमंत्रित करते हैं। वहाँ प्रेम का पुनः अनुभव होता है।

भारत में जब शरद ऋतु वसंत में प्रवेश कर रही होती है, तब प्रेम और उर्वरता का उत्सव मनाया जाता है। वैलेंटाइन डे भी मदन उत्सव जैसे प्रेम उत्सवों की तरह मनाया जाता है। यह कोई संयोग नहीं है कि लोहड़ी, मकर संक्रांति, शिवरात्रि और होली जैसे त्योहार भी इसी समय मनाए जाते हैं। लोहड़ी और होली दोनों ही अलाव जलाने से आबद्ध हैं, जो हमें कामदेव के ज्वलंत रूप का स्मरण कराते हैं। लोहड़ी फसल और उर्वरता का प्रतीक है जो दक्षिण भारत का पोंगल है। यह मकर राशि में प्रवेश करने वाले सूर्य की पूजा का समय भी है। पश्चिमी परंपरा में मकर राशि को मछली और बकरी का मिश्रण माना जाता है, जबकि भारतीय परंपरा में इसे मछली और हाथी का मिश्रण माना जाता है जो कामदेव का प्रतीक है।

## डीपफेक का धोखा और डिजिटल सख्त नियमों की अनिवार्यता

ललित गर्ग

डिजिटल युग में सूचना की गति जितनी तीव्र हुई है, उतनी ही तेजी से भ्रम, छल और दुष्प्रचार की संभावनाएँ भी बढ़ी हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डीपफेक तकनीक ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। अब केवल शब्दों से नहीं, बल्कि चेहरों, आवाजों और भाव-भंगिमाओं से भी झूठ को सच की तरह प्रस्तुत किया जा सकता है। यही कारण है कि केंद्र सरकार ने डीपफेक और एआई जनित सामग्री के नियमन के लिए आईटी नियमों को सख्त करने का निर्णय लिया है। बीस फरवरी से लागू होने जा रहे नए प्रावधानों के अनुसार एआई द्वारा निर्मित सामग्री पर स्पष्ट लेबल लगाना अनिवार्य होगा और किसी भी अवैध या भ्रामक सामग्री को तीन घंटे के भीतर हटाना या ब्लॉक करना होगा। पहले यह समयसीमा 36 घंटे थी। यह बदलाव केवल तकनीकी संशोधन नहीं, बल्कि डिजिटल नैतिकता और लोकतांत्रिक जवाबदेही की दिशा में एक गंभीर हस्तक्षेप है।

पिछले कुछ वर्षों में डीपफेक तकनीक का दुरुपयोग भयावह रूप से सामने आया है। राजनीतिक नेताओं के फर्जी वीडियो, अभिनेत्रियों की अश्लील रूप से परिवर्तित तस्वीरें, सांप्रदायिक तनाव भड़काने वाले ऑडियो क्लिप और आर्थिक धोखाधड़ी के लिए बनाए गए कृत्रिम संदेश-ये सब इस बात के प्रमाण हैं कि तकनीक तटस्थ नहीं रहती, उसका उपयोग और दुरुपयोग दोनों संभव हैं। जब सत्य को जूता जा रहा हो और झूठ को परिष्कृत तकनीक के सहारे प्रमाणिकता का आवरण पहनाकर प्रस्तुत किया जा रहा हो, तब समाज में अविश्वास का वातावरण बनना स्वाभाविक है। ऐसी स्थिति में सरकार द्वारा नियंत्रण की पहल आवश्यक प्रतीत होती है, क्योंकि यह केवल अभिव्यक्ति का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिकों की प्रतिष्ठा से जुड़ा विषय है।

नए नियमों के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से बढ़ाई गई है। अब उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि उपयोगकर्ता को यह जानकारी मिले कि साझा की जा रही सामग्री एआई से निर्मित है या नहीं। इससे पारदर्शिता का एक न्यूनतम मानक स्थापित होगा। साथ ही, तीन घंटे की समयसीमा यह संकेत देती है कि सरकार डिजिटल अपराधों की गंभीरता को समझ रही है। डीपफेक वीडियो के वायरल होने के बाद उसका खंडन अक्सर प्रभावहीन हो जाता है, इसलिए त्वरित कार्रवाई ही नुकसान को सीमित कर सकती है। परंतु यह भी सच है कि इतनी कम समय सीमा में सामग्री की सत्यता की जांच करना तकनीकी और प्रशासनिक दृष्टि से अत्यंत जटिल कार्य है। इससे प्लेटफॉर्मों पर निगरानी तंत्र को अत्यधिक सुदृढ़ करना पड़ेगा, जो लागत और संचालन दोनों के स्तर पर चुनौतीपूर्ण होगा।

यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण है कि 'आपत्तिजनक' या 'भ्रामक' सामग्री की परिभाषा कौन और किस आधार पर तय करेगा। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक मूलाधिकार है। यदि नियमन की प्रक्रिया पारदर्शी और न्यायसंगत नहीं होगी, तो इसके दुरुपयोग की आशंकाएँ जन्म लेंगी। अतीत में भी यह देखा गया है कि जब-जब सोशल मीडिया पर नियंत्रण के प्रयास हुए, तब कुछ वर्गों ने इसे सरकारी अतिक्रमण के रूप में प्रस्तुत किया। इसलिए नियमन और स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाना अत्यंत आवश्यक है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि नियमों का प्रयोग असहमति को दबाने के लिए नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से दुष्प्रचार और अपराध को रोकने के लिए हो। इस दिशा में स्वतंत्र निगरानी तंत्र, न्यायिक समीक्षा और पारदर्शी शिकायत निवारण प्रणाली अनिवार्य घटक हो सकते हैं।

वैश्विक परिदृश्य भी इसी संकट की ओर संकेत करता है। ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस जैसे देशों ने बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग की न्यूनतम आयु निर्धारित करने जैसे कदम उठाए हैं। अमेरिका में इंस्टाग्राम और यूट्यूब के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभावों की जांच के लिए ऐतिहासिक मुकदमे चल रहे हैं। वहाँ की बड़ी तकनीकी कंपनियों पर युवाओं को लत लगाने वाली संरचनाएँ विकसित करने के आरोप लगे हैं। विशेषज्ञों का मत है कि कई युवा जब अपने फोन से दूर किए जाते हैं तो वे मनोवैज्ञानिक ही नहीं, शारीरिक असहजता भी अनुभव करते हैं। यह स्थिति केवल विकसित देशों तक सीमित नहीं, भारत सहित विकासशील देशों में भी सोशल मीडिया का अनियंत्रित विस्तार सामाजिक और मानसिक संकट का कारण बन रहा है।

एआई उद्योग स्वयं भी एक नैतिक दुविधा के दौर से गुजर रहा है। अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार में कंपनियाँ तकनीकी श्रेष्ठता की दौड़ में लगी हैं। इस दौड़ में सुरक्षा और नैतिकता के प्रश्न अक्सर पीछे छूट जाते हैं। हाल ही में एक प्रमुख कंपनी के सुरक्षा शोधकर्ता द्वारा विवादास्पद परियोजनाओं की अनियंत्रित गति पर असहमति जताते हुए त्यागपत्र देना इस तनाव का संकेत है। तकनीक की प्रगति जितनी तेज होगी, नियामक ढाँचे उतनी ही तेजी से अप्रासंगिक होते जाएँगे, यदि उन्हें समयानुकूल अद्यतन न किया जाए। इसलिए नियमन को केवल दंडात्मक नहीं, बल्कि दूरदर्शी और सहभागी होना चाहिए।

# वैलेंटाइन डे प्यार के उत्सव का नया बाजार

**पिछले कुछ समय से ग्लोबलाइज्ड समाज में प्यार भी ग्लोबल ट्रेंड का हो गया है। आज जहाँ इजहार और इकरार करने के तौर तरीके बदल गए हैं वहीं इंटरनेट के इस दौर में प्यार भी बाजारू हो चला है। पहली बार शहरी चकाचौंध से इतर प्यार का यह उत्सव एक बड़ा बाजार को अपनी गिरफ्त में ले चुका है। हर जगह वैलेंटाइन की संस्कृति पसरती जा रही है। आज युवा भी इसकी गिरफ्त में पूरी तरह से नजर आते है तभी तो शहरों से लेकर कस्बो तक वैलेंटाइन का जलवा देखते ही बनता है। आलम यह है ये बड़ा उत्सव बन चुका है जो भारतीयों में तेजी से अपनी पकड़ बना रहा है।**

हर्षवर्धन पान्डे

वैलेंटाइन के चकाचौंध पर अगर दृष्टि डालें तो इस सम्बन्ध में कई किस्से प्रचलित हैं। रोमन कैथोलिक चर्च की माने तो यह वैलेंटाइन अथवा वलेंतिनस नाम के तीन लोगों को मान्यता देता है जिसमें से दो के सम्बन्ध वैलेंटाइन डे से जोड़े जाते है लेकिन बताया जाता है इन दो में से भी संत वैलेंटाइन खास चर्चा में रहे। कहा जाता है संत वैलेंटाइन प्राचीन रोम में एक धर्म गुरू थे। उन दिनों वहाँ पर क्लाउडियस दो का शासन था। उसका मानना था अविवाहित युवक बेहतर सैनिक हो सकते हैं क्योंकि युद्ध के मैदान में उन्हें अपनी पत्नी या बच्चों की चिंता नही सताती। अपनी इस मान्यता के कारण उसने तत्कालीन रोम में युवको के विवाह पर प्रतिबंध लगा दिया।

किन्दवंतियो की मानें तो संत वैलेंटाइन के क्लाउडियस के इस फेसले का विरोध करने का फैसला किया। बताया जाता है कि वैलेंटाइन ने इस दौरान कई युवक युवतियों का प्रेम विवाह करा दिया। यह बात जब राजा को पता चली तो उसने संत वैलेंटाइन को 14 फरवरी को फासी की सजा दे दी। कहा जाता है संत के इस त्याग के कारण हर साल 14 फरवरी को उनकी याद में युवा वैलेंटाइन डे मनाते हैं। 1260 में संकलित की गई ऑरिया ऑफ जैकोबस डी वॉराजिन नामक पुस्तक में भी सेंट वेलेंटाइन का वर्णन मिलता है। इसके अनुसार रोम में तीसरी शताब्दी में सम्राट क्लॉडियस के अनुसार विवाह करने से पुरुषों की शक्ति और बुद्धि कम होती है। उसने फरमान जारी किया कि उसका कोई सैनिक या अधिकारी विवाह नहीं करेगा। संत वेलेंटाइन ने इस क्रूर आदेश का विरोध किया। उन्हीं के आह्वान पर अनेक सैनिकों और अधिकारियों ने विवाह किए।

कैथोलिक चर्च की एक अन्य मान्यता के अनुसार एक दूसरे संत वैलेंटाइन की मौत प्राचीन रोम में ईसाईयों पर हो रहे अत्याचारों से उन्हें बचाने के दरमियान हो गई। यहाँ इस पर नई मान्यता यह है ईसाईयों के प्रेम का प्रतीक माने जाने वाले इस संत की याद में ही वैलेंटाइन डे मनाया जाता है। एक अन्य किंदवंती के अनुसार वैलेंटाइन नाम के एक शख्स ने अपनी मौत से पहले अपनी प्रेमिका को पहला वैलेंटाइन संदेश भेजा जो एक प्रेम पत्र था। उसकी प्रेमिका उसी जेल के जेलर की पुत्री थी जहाँ उसको बंद किया गया था। उस वेलेंनटाइन नाम के शख्स ने प्रेम पत्र लिखा फ्रॉम यूअर वेलेंनटाइन । आज भी यह वैलेंटाइन पर लिखे जाने वाले हर पत्र के नीचे लिखा रहता है। क्लॉडियस ने 14 फरवरी को संत वेलेंटाइन को फांसी पर चढ़वा दिया। तब से उनकी स्मृति में प्रेम दिवस मनाया जाता है। कहा जाता है कि सेंट वेलेंटाइन ने अपनी मृत्यु के समय जेलर की नेत्रहीन बेटी जैकोबस को नेत्रदान किया व जेकोबस को एक पत्र लिखा, जिसमें अंत में उन्होंने लिखा था तुम्हारा वेलेंटाइन। 14 फरवरी के बहाने जिसे बाद में इस संत के नाम पूरे विश्व में निःस्वार्थ प्रेम से मनाया जाने लगा।

यही नहीं वैलेंटाइन के बारे में कुछ अन्य बातें भी है। इसके अनुसार तर्क यह दिए जाते है प्राचीन रोम के प्रसिद्ध पर्व ल्युपरकेलिया के ईसाईकरण की याद में मनाया जाता है। यह पर्व रोमन साम्राज्य के संस्थापक रोम्योलुयास और रीमस की याद में मनाया जाता है। इस आयोजन पर रोमन धर्मगुरु उस गुफा में एकत्रित होते थे जहाँ एक मादा भेडिये ने रोम्योलुयास और रीमस को पाला था इस भेडिये को ल्युपा कहते थे और इसी के नाम पर उस त्यौहार का नाम ल्युपर केलिया पड़ गया। इस अवसर पर वहां बड़ा आयोजन होता था। लोग अपने घरो की सफाई करते थे साथ ही अच्छी फसल की कामना के लिए बकरी की बलि देते थे। कहा जाता है प्राचीन समय में यह परम्परा खासी लोक प्रिय हो गई।

एक अन्य किंदवंती यह कहती है 14 फरवरी को फ्रांस में चिडियों के प्रजनन की शुरुआत मानी जाती थी जिस कारण खुशी में यह त्यौहार वहा प्रेम पर्व के रूप में मनाया जाने लगा। प्रेम के तार रोम से भी सीधे जुड़े नजर आते हैं। वहाँ पर क्यूपिड को प्रेम की देवी के रूप में पूजा जाने लगा जबकि यूनान में इसको इरोश के नाम से जाना जाता था। प्राचीन वैलेंटाइन संदेश के बारे में भी लोगो में एकरूपता नजर नही आती। कुछ ने माना है कि यह इंग्लैंड के राजा ड्यूक ने लिखा जो आज भी वहां के म्यूजियम में रखा हुआ है।

आज युवाओं में वैलेंटाइन की खुमारी सर चढ़कर बोल रही है। इस दिन के लिए सभी पलके बिछाये बैठे रहते हैं। भईया प्रेम का इजहार जो करना है ? वैलेन्टाइन प्रेमी इसको प्यार का इजहार करने का दिन बताते है। यूँ तो प्यार करना कोई गुनाह नही है लेकिन जब प्यार किया ही है तो इजहार करने मे देर नही होनी चाहिए लेकिन अभी का समय ऐसा है जहाँ युवक युवतिया प्यार की सही परिभाषा नही जान पाये हैं। वह इस बात को नहीं समझ पा रहे है प्यार को आप एक दिन के लिए नहीं बाँध सकते। वह तो प्यार को हंसी मजाक का खेल समझ रहे है। आज का प्यार मैगी के नूडल जैसा बाजारू बन गया है जो दो मिनट चलता है। सच्चे प्रेमी के लिए तो पूरा साल प्रेम का प्रतीक बना रहता है लेकिन आज के बाजार ने प्यार की परिभाषा बदल दी है। इसका प्रभाव यह है 14 फरवरी को प्रेम दिवस का रूप दे दिया गया है जिसके चलते संसार भर के कपल प्यार का इजहार करने को उत्सुक रहते हैं। जहां चीन में यह दिन नाइट्स ऑफ सेवेन्स प्यार करने वालों के लिए खास होता है, वहीं जापान व कोरिया में इस पर्व को वाइट डे का नाम से जाना जाता है। इतना ही नहीं, इन देशों में इस दिन से पूरे एक महीने तक लोग अपने प्यार का इजहार करते हैं। आज 14 फरवरी का कितना महत्व बढ गया है इसका अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है इस अवसर पर बाजारों में खासी रौनक छा जाती है। गिफ्ट सेंटर में उमड़ने वाला सैलाब, चहल पहल इस बात को बताने के लिए काफी है यह किस प्रकार आम आदमी के दिलो में एक बड़े पर्व की भांति अपनी पहचान बनने में कामयाब हुआ है। इस अवसर पर प्रेमी होटलों , रेस्तारा में देखे जा सकते हैं।

यूं तो हमारी संस्कृति में प्रेम को परमात्मा का दूसरा रूप बताया गया है अतः प्रेम करना गुनाह और प्रेम का विरोधी होना सही नहीं होगा लेकिन वैलेंटाइन के नाम पर जिस तरह का पश्चिमीपरस्त विस्तार हो रहा है वह सही नहीं है। वैसे भी यह प्रेम की स्टाइल भारतीय जीवन मूल्यों से किसी तरह मेल नहीं खाती। आज का वैलेंटाइन डे भारतीय काव्य शास्त्र में बताये गए मदनोत्सव का पश्चिमी संस्करण प्रतीत होता है लेकिन बड़ा सवाल जेहन में हमारे यह आ रहा है क्या आप प्रेम जैसे चीज को एक दिन के लिए बाध सकते है? शायद नहीं। एक समय ऐसा था जब राधा, कृष्ण , मीरा वाला प्रेम हुआ करता था जो आज के वैलेंटाइन प्रेमियों का जैसा नहीं होता था। आज लोग प्यार के चक्कर में बर्बाद हो रहे है। हीर- रांझा, लैला- मजनू रोमियो- जूलियट के प्रसंगों का हवाला देने वाले हमारे आज के प्रेमी यह भूल जाते है मीरा वाला प्रेम सच्ची आत्मा से सम्बन्ध रखता था। आज तो प्यार बाहरी आकर्षण की चीज बनती जा रही है। प्यार को गिफ्ट और पॉकेट में तोला जाने लगा है। वैलेंटाइन के प्रेम में फसने वाले कुछ युवा सफल तो कुछ असफल साबित होते है। जो असफल हो गए तो समझ लो बरबाद हो गए क्युकि यह प्रेम रुपी बग बड़ा खतरनाक है। एक बार अगर इसकी जकड में आप आ गए तो यह फिर भविष्य में भी पीछा नहीं छोडेगा। असफल लोगों के तबाह होने के कारण यह वैलेंटाइन डे घातक बन जाता है।

# मनेन्द्रगढ़ में मेडिकल कॉलेज निर्माण रोका गया

## परसगढ़ी में घर उजड़ने की आशंका पर ग्रामीण नाराज, एसडीएम-तहसीलदार ने समझाइश दी

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी ( निप्र )।** जिले के परसगढ़ी क्षेत्र में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज के काम को ग्रामीणों ने रोक दिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य से उनके घरों को खतरा है और उन्हें बेघर होने का डर सता रहा है। इसी विरोध के चलते उन्होंने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य बंद करवा दिया और प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि निर्माण एजेंसी उनके घरों के सामने बाउंड्री बना रही है। इससे न केवल रास्ते प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि कुछ परिवारों को आशंका है कि भविष्य में उनके मकानों को हटाया या तोड़ा जा सकता है। इसी कारण ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए

निर्माण कार्य बंद करा दिया।

**निर्माण और सीमांकन की स्थिति स्पष्ट करने की मांग:** ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि उन्हें मेडिकल कॉलेज जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट से कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि, उनका कहना है कि निर्माण कार्य इस तरह किया जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों के घरों और जमीन पर असर पड़ रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि बाउंड्री निर्माण और सीमांकन को लेकर स्थिति स्पष्ट की जाए, ताकि किसी भी परिवार को नुकसान न हो। विवाद बढ़ने की सूचना मिलने पर एसडीएम लिंगराज सिदार, तहसीलदार श्रुति ध्रुवे और थाना प्रभारी दीपेश सैनी सहित सिटी कोतवाली मनेन्द्रगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची।

**अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाइश दी:** अधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत कर स्थिति को शांत करने का प्रयास किया। प्रशासन ने ग्रामीणों को समझाया और आश्वासन दिया कि सभी कार्य नियमों के अनुसार ही किए जाएंगे। स्थिति को देखते हुए मौके पर सिटी कोतवाली पुलिस बल भी तैनात किया गया था, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। ग्रामीणों की अधिक संख्या के कारण कुछ समय के लिए माहौल तनावपूर्ण रहा, लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों की समझाइश के बाद स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है। एसडीएम के नेतृत्व में प्रशासन ने ग्रामीणों की आपत्तियों को सुना है और मामले की जांच तथा सीमांकन की बात कही है।

# विश्व रेडियो दिवस: भरोसे की तरंगें, जो समय और तकनीक से आगे निकल गईं

## तकनीक के तूफान में भी गाँव की सबसे भरोसेमंद, जीवंत और अमिट धड़कन बना है रेडियो

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी ( निप्र )।** हर वर्ष 13 फरवरी को मनाया जाने वाला विश्व रेडियो दिवस केवल एक संचार माध्यम का उत्सव नहीं, बल्कि उस जीवंत आवाज़ का सम्मान है जिसने दशकों से मानव समाज को जोड़ने का कार्य किया है। रेडियो ने न केवल समाचार और मनोरंजन प्रदान किया, बल्कि शिक्षा, संस्कृति, जनजागरण और लोकतंत्र को भी सशक्त बनाया। जब तकनीक सीमित थी, तब रेडियो आशा की किरण बना और जब तकनीक उन्नत हुई, तब भी रेडियो ने अपनी प्रासंगिकता बनाए रखी। विश्व रेडियो दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि रेडियो केवल तरंगों पर चलने वाली आवाज़ नहीं, बल्कि लोगों की भावनाओं, विश्वास और सामूहिक चेतना का माध्यम है।

**भारत में रेडियो की शुरुआत- जनसंचार से जन आंदोलन तक का रहा ऐतिहासिक सफर:** भारत में रेडियो का इतिहास लगभग एक शताब्दी पुराना है। वर्ष 1927 में मुंबई और कोलकाता से रेडियो प्रसारण की शुरुआत हुई, जिसने धीरे-धीरे देश के कोने-कोने में अपनी पहुँच बनाई। वर्ष 1936 में ऑल इंडिया रेडियो (आकाशवाणी) की स्थापना के साथ रेडियो को राष्ट्रीय पहचान मिली। स्वतंत्रता संग्राम के दौर में रेडियो ने देशवासियों को जोड़ने और राष्ट्रीय चेतना जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वतंत्रता के बाद रेडियो भारत के सामाजिक और आर्थिक विकास का अभिन्न अंग बन गया। किसानों के लिए मौसम पूर्वानुमान, फसल सलाह और बाजार भाव, विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक कार्यक्रम, महिलाओं और बच्चों के लिए स्वास्थ्य व पोषण संबंधी जागरूकता तथा आम नागरिकों के लिए सरकारी योजनाओं की जानकारी रेडियो के माध्यम से हर वर्ग के जीवन से जुड़ गया। ग्रामीण और आदिवासी अंचलों में जहाँ आज भी डिजिटल साधन सीमित हैं, रेडियो भरोसेमंद साथी बना हुआ है। आपदा के समय रेडियो ने त्वरित सूचना देकर अनगिनत जानें बचाई हैं। यही कारण है कि रेडियो को भारत में जनसंचार का सबसे लोकतांत्रिक माध्यम माना जाता है।

## परीक्षा अवधि में ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर पूर्ण प्रतिबंध, विद्यार्थियों के अध्ययन हेतु शांत वातावरण सुनिश्चित करने कलेक्टर का आदेश

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी ( निप्र )।** छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर द्वारा हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी मुख्य परीक्षा वर्ष 2026 की समय-सारणी जारी की गई है, जिसके अनुसार परीक्षाएं 20 फरवरी 2026 से 18 मार्च 2026 तक आयोजित की जाएंगी। परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को शांत एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा महत्वपूर्ण आदेश जारी किया गया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डी. राहुल वेंकट ने बताया कि हाल के दिनों में विद्यार्थियों एवं उनके पालकों द्वारा ध्वनि विस्तारक यंत्रों तथा अत्यधिक शोर-शराबे के कारण अध्ययन में बाधा उत्पन्न होने संबंधी शिकायतें प्राप्त हुई थीं। इन शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, 1985 की धारा 5(1)(2), धारा 6 एवं धारा 10(2), ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियंत्रण) नियम, 2000 तथा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 152 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार, सम्पूर्ण मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में 16 फरवरी 2026 से 18 मार्च 2026 तक की अवधि में अधिनियम की धारा 13(1) में उल्लेखित विशेष अवसरों को छोड़कर, धारा 2 (क), (ख) एवं (ग) के अंतर्गत परिभाषित कोलाहल तथा सभी प्रकार के ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। जिला प्रशासन ने समस्त नागरिकों से अपील की है कि विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें तथा अध्ययन हेतु शांत वातावरण बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें।

# जल जीवन मिशन से बदला चन्द्रभान सिंह का जीवन

## हर घर नल से जल: गांव में स्वास्थ्य, सम्मान और सुविधा का नया अध्याय

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी ( निप्र )।** लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत संचालित जल जीवन मिशन ने ग्राम पंचायत खेतौली, ग्राम खेतौली, विकासखंड भरतपुर, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के ग्रामीणों के जीवन में एक नई सुबह का संचार किया है। वर्षों से स्वच्छ पेयजल की समस्या से जूझ रहे इस गांव में अब हर घर तक नल से शुद्ध जल की नियमित आपूर्ति हो रही है। यह केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण जीवन में सम्मान, स्वास्थ्य और सुविधा का नया अध्याय है। गांव की गलियों में अब पानी के लिए भागदौड़ नहीं, बल्कि संतोष और विश्वास का वातावरण दिखाई देता है।

**संघर्ष भरे दिनों से सुकून भरे वर्तमान तक:** ग्राम खेतौली के निवासी चन्द्रभान सिंह अपने पुराने दिनों को याद करते हुए बताते हैं कि कभी स्वच्छ पानी प्राप्त करना उनके परिवार के लिए एक दैनिक चुनौती हुआ करता था। उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को कई किलोमीटर दूर स्थित कुएँ से पानी लाना पड़ता था। गर्मी के मौसम में स्थिति और भी कठिन हो जाती थी, जब पानी का स्तर नीचे चला जाता था और लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ता था। इस प्रक्रिया में समय, श्रम और ऊर्जा की भारी खपत होती थी, जिससे बच्चों की पढ़ाई और अन्य कार्य भी प्रभावित होते थे। परंतु हर घर नल से जल योजना लागू होने के बाद अब उनके घर के आंगन में ही स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध है। नल खोलते ही साफ पानी मिलना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। अब परिवार को पानी की चिंता नहीं सताती, बल्कि वे अपने समय का उपयोग खेती, शिक्षा और अन्य आय वर्धक कार्यों में कर पा रहे हैं। यह बदलाव उनके जीवन की दिशा ही बदल चुका है।

**स्वास्थ्य, सम्मान और समृद्धि की ओर मजबूत कदम:** जल जीवन मिशन की इस ऐतिहासिक और दूरदर्शी पहल ने गांव के सामाजिक और आर्थिक जीवन में भी सकारात्मक प्रभाव डाला है।

# शिवपुरी में मौसम ने बदला रंग, दिन में बढ़ी गर्मी; सुबह-रात ठंडक, मौसम विभाग बोला- फिर लौट सकती है ठंड

**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी ( निप्र )।** जिले में इन दिनों मौसम तेजी से बदल रहा है। सुबह और रात में हल्की ठंड महसूस हो रही है, लेकिन जैसे-जैसे दिन चढ़ता है, गर्मी बढ़ने लगती है। दोपहर में तेज धूप के कारण लोगों को गर्मी का एहसास होने लगा है और अब कई लोग हल्के कपड़े पहनने लगे हैं। पिछले 10 दिनों में अधिकतम तापमान करीब 5 डिग्री सेल्सियस बढ़ा है।

अभी अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जबकि न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस है। रात के तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है, इसलिए

दिन और रात के मौसम में साफ अंतर महसूस हो रहा है।

**दोपहर में धूप से बचते नजर आ रहे लोग:** सुबह हल्की ठंड के कारण लोग अभी भी हल्के गर्म कपड़े पहन रहे हैं, लेकिन दोपहर में धूप तेज होने से बाजारों और सड़कों पर गर्मी का असर दिखाई दे रहा है। दोपहिया वाहन चालक धूप से बचने के लिए चेहरे ढंककर निकल रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी हो रही है। मौजूदा मौसम प्रणाली के गुजरने और बर्फ पिघलने के बाद फिर से मौसम बदल सकता है।

आने वाले दिनों में हल्की ठंड लौटने की संभावना जताई गई है, जिससे तापमान में थोड़ी गिरावट आ सकती है। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि मौसम के इस बदलाव से सर्दी-जुकाम, वायरल और एलर्जी की शिकायतें बढ़ सकती हैं। इसलिए सुबह-शाम सावधानी रखने की सलाह दी गई है। फिलहाल मौसम गर्मी की ओर बढ़ रहा है, लेकिन हल्की ठंड की वापसी भी संभव है।

# धान प्रबंधन में प्रशासनिक दक्षता और नेतृत्व का समन्वय एमसीबी का उभरता मॉडल

## सुनियोजित रणनीति, मजबूत मॉनिटरिंग और किसान-केंद्रित दृष्टिकोण से बनी सुशासन की मिसाल

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी ( निप्र )।** धान खरीदी विपणन वर्ष 2025-26 में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले ने धान उपार्जन और उठाव प्रक्रिया को जिस प्रभावी ढंग से संचालित किया है, वह केवल एक प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और शासन व्यवस्था के बीच विश्वास निर्माण का महत्वपूर्ण उदाहरण बनकर सामने आया है। छत्तीसगढ़ जैसे कृषि प्रधान राज्य में धान प्रबंधन की सफलता सीधे तौर पर किसानों की आय, ग्रामीण रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था की गति से जुड़ी होती है। ऐसे में जिले का यह अभियान प्रशासनिक योजना, संसाधन प्रबंधन और संवेदनशील नेतृत्व की समन्वित कार्यशैली को दर्शाता है।

**प्रशासनिक रणनीति और क्रियान्वयन की प्रभावशीलता:** इस वर्ष जिले के 19 हजार 58 किसानों से 8 लाख 79 हजार 848 क्विंटल से अधिक धान का उपार्जन किया गया, जो सरकारी खरीदी प्रणाली के प्रति बढ़ते विश्वास का संकेत है। कुल खरीदी में से 3 लाख 6 हजार 170 क्विंटल धान का 34.84 प्रतिशत उठाव अब तक पूरा होना यह दर्शाता है कि प्रशासन ने खरीदी के साथ-साथ उठाव को भी समान प्राथमिकता दी है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि केवल लक्ष्य निर्धारित करना पर्याप्त नहीं होता, बल्कि संसाधनों का संतुलित उपयोग और सतत निगरानी भी उतनी ही आवश्यक होती है।

**संसाधन प्रबंधन और परिवहन व्यवस्था का विश्लेषण:** धान उठाव की प्रक्रिया में सबसे बड़ी चुनौती भंडारण और परिवहन प्रबंधन होती है। जिले में ट्रकों की समयबद्ध उपलब्धता, मिलों तक सीधी आपूर्ति और लोडिंग-अनलोडिंग के लिए पर्याप्त श्रमिकों की तैनाती से उपार्जन केंद्रों पर दबाव कम हुआ है। यह मॉडल दिखाता है कि यदि लॉजिस्टिक प्रबंधन मजबूत हो, तो बड़े पैमाने पर कृषि उपज का संचालन भी सुचारू रूप से संभव है। डिजिटल मॉनिटरिंग और नियमित समीक्षा बैठकों ने निर्णय प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाया है।

**नेतृत्व और नीति-निर्देशन की भूमिका:** राज्य स्तर पर स्पष्ट नीति और किसान-केंद्रित दृष्टिकोण ने जिले के अभियान को दिशा प्रदान की है। खरीदी से लेकर उठाव तक प्रत्येक चरण को समयबद्ध और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया गया, जिससे किसानों को भुगतान और मूल्य सुरक्षा सुनिश्चित हुई। नेतृत्व की यह स्पष्टता प्रशासनिक तंत्र में जवाबदेही और कार्यक्षमता बढ़ाने का प्रमुख कारण बनी है।

**चुनौतियां और समाधान की प्रक्रिया:** हालांकि कुछ उपार्जन केंद्रों पर उठाव की गति अपेक्षाकृत धीमी रही, लेकिन प्रशासन ने इस समस्या के रूप में स्वीकार करते हुए अतिरिक्त संसाधनों की व्यवस्था, परिवहन मार्गों की निगरानी और श्रमिकों की संख्या में वृद्धि जैसे त्वरित निर्णय लिए। यह दर्शाता है कि अभियान केवल उपलब्धियों पर केंद्रित नहीं रहा, बल्कि चुनौतियों के समाधान को भी प्राथमिकता दी गई।

**किसानों का विश्वास और सामाजिक प्रभाव:** 19 हजार से अधिक किसानों की सक्रिय भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि सरकारी व्यवस्था के प्रति भरोसा मजबूत हुआ है। समय पर खरीदी और उठाव से किसानों को आर्थिक सुरक्षा मिली है, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। यह अभियान प्रशासन और किसान के बीच संवाद और सहयोग की नई मिसाल भी प्रस्तुत करता है।

**आर्थिक प्रभाव और दीर्घकालिक महत्व:** धान उठाव की तेज गति से मिलों में प्रसंस्करण कार्य शीघ्र प्रारंभ हुआ, जिससे स्थानीय रोजगार और ग्रामीण बाजारों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ीं। परिवहन और श्रमिक सेवाओं के माध्यम से भी स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिली है। दीर्घकालिक दृष्टि से यह मॉडल कृषि प्रबंधन को अधिक पेशेवर और व्यवस्थित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले का धान प्रबंधन अभियान यह स्पष्ट करता है कि मजबूत नीति, संवेदनशील नेतृत्व, प्रभावी संसाधन प्रबंधन और सतत मॉनिटरिंग के माध्यम से बड़े कृषि अभियानों को सफलतापूर्वक संचालित किया जा सकता है।

# हीरो बनने मुंबई भागे तीन छात्र गुना से पकड़ाए, शिवपुरी के राजपूत हॉस्टल से निकले थे; पुलिस ने परिजनों को सौंपा

**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी ( निप्र )।** शिवपुरी के कोतवाली थाना क्षेत्र में नौहरी चक स्थित ईस्टर्न हाईट स्कूल के पास बने राजपूत हॉस्टल से बुधवार शाम तीन छात्र बिना बताए चले गए थे। पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए तीनों को गुना रेलवे स्टेशन से सुरक्षित ढूंढ लिया। पूछताछ में सामने आया कि वे मुंबई घूमने और हीरो बनने का सपना लेकर निकले थे। देर शाम उन्हें शिवपुरी लाकर उनके परिवारों को सौंप दिया गया।

**ऐसे पता चला मामला:** हॉस्टल संचालक राम सिंह राजपूत ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 11 फरवरी शाम करीब 5 बजे हाजिरी के दौरान तीन छात्र अपने कमरे में नहीं मिले। अन्य छात्रों ने बताया कि वे करीब 4:30 बजे बिना किसी को बताए हॉस्टल से बाहर चले गए थे। लापता छात्रों में प्रशांत धाकड़ (15), दीपांश लोधी (17) और आसेन्द्र लोधी (14) शामिल थे।

**10 हजार का इनाम रखा:** परिजनों को सूचना देने के बाद बाजार, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और रिश्तेदारों के यहां खोजबीन की गई, लेकिन रात तक कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद पुलिस ने मामला गंभीरता से लिया। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ ने बच्चों की जानकारी देने पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और नगर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में विशेष टीम बनाई गई। पुलिस ने शिवपुरी में 50 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी। जांच में पता चला कि तीनों छात्र गुना की ओर गए हैं।

**गुना रेलवे स्टेशन से मिले:** सूचना मिलते ही पुलिस टीम गुना पहुंची। वहां भी बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन के कई सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए। आखिरकार तीनों छात्र गुना रेलवे स्टेशन पर मिल गए। पुलिस ने बताया कि छात्र अपनी मर्जी से मुंबई जाने के लिए निकले थे। अब तीनों सुरक्षित हैं और उन्हें उनके परिवार के सुपुर्द कर दिया गया है।

## बिहान से बदली तकदीर: फुलेश्वरी बनीं आत्मनिर्भरता की मिसाल

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी ( निप्र )।** ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण और आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में बिहान योजना ने नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। ग्राम पंचायत उजियारपुर (सोनवर्षा) की निवासी फुलेश्वरी की कहानी इसी सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरक मिसाल है। गौरी महिला स्व-सहायता समूह से जुड़कर उन्होंने न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत की, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन गई हैं। वर्ष 2018 में स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता का लाभ उठाया। ऋन्न, छ्द्धस्न, बैंक लिंकेज एवं मुद्रा ऋण के माध्यम से कुल 3,30,500 की राशि प्राप्त कर उन्होंने किराना दुकान, ऑटो रिक्शा संचालन और बकरी पालन जैसे आय वर्धक कार्य शुरू किए। इन गतिविधियों ने उनके परिवार की आय बढ़ाई और गांव में रोजगार व सुविधा के नए अवसर भी उत्पन्न किए। लगातार मेहनत और सही योजना के चलते आज उनकी मासिक आय 20,000 से 25,000 तक पहुँच चुकी है।

# स्कूटी की डिग्गी से 1 लाख कैश चोरी, सामान खरीदने दुकान के बाहर रुके; इतनी देर में बदमाशों ने वारदात को दिया अंजाम

**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी ( निप्र )।** शिवपुरी के करैरा में दुकान के बाहर खड़ी स्कूटी से 1 लाख रुपए कैश और पासबुक ले गए चोर। बदमाशों ने पहले दुकान के बाहर खड़ी स्कूटी की कुछ पल रेकी की। इसके बाद एक आरोपी स्कूटी के पास गया और फिर पैसे निकाले और साथी के साथ बाइक पर सवार होकर फरार हो गया। ये घटना सिरसौद में 11 फरवरी की दोपहर की है। पीड़ित ने इसकी शिकायत थाने में दर्ज कराई है। सिरसौद थाना अमोला के रहने वाले बल्लू लोधी (41) ने पुलिस को

बताया कि बुधवार को दोपहर करीब 12:45 बजे उन्होंने गांधी रोड स्थित एसबीआई बैंक से अपने मकान खर्च के लिए 1 लाख रुपये निकाले थे। ये रकम और बैंक पासबुक उन्होंने अपनी स्कूटी की डिग्गी में रख दी थी। इसके बाद बल्लू लोधी मकान के लिए सिंक खरीदने थनरा वाले की दुकान पर पहुंचे। उन्होंने अपनी स्कूटी दुकान के बाहर खड़ी की थी। कुछ देर बाद जब वे लौटे, तो स्कूटी की डिग्गी खुली हुई थी और उसमें रखे रुपए और पासबुक गायब थे। चोर डिग्गी खोलकर पूरी रकम लेकर फरार हो गए। इस पूरी घटना का सीसीटीवी भी सामने आया है।

**आरोपियों की तलाश कर रही पुलिस:** थाना प्रभारी विनोद छावई ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। तस्दीक के बाद मामले में एफआईआर दर्ज की जाएगी।

# पति ने पत्नी पर ब्लेड से हमला किया, नशे में घर में आग लगाकर फरार हुआ आरोपी; तलाश में जुटी पुलिस

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी ( निप्र )।** मनेंद्रगढ़ शहर के वार्ड नंबर- 14 में एक घरेलू विवाद के बाद पति ने अपनी पत्नी पर ब्लेड से हमला कर दिया। इसके बाद उसने गुस्से में आकर घर में आग लगा दी। आरोपी पति की पहचान गौरव शर्मा के रूप में हुई है, जो घटना के समय नशे की हालत में था। उसकी पत्नी एक निजी स्कूल में शिक्षिका है।

विवाद बढ़ने पर गौरव शर्मा ने पहले अपनी पत्नी पर ब्लेड से वार किया। इसके बाद उसने घर में आग लगाकर मौके से फरार हो गया। आग लगने से घर में रखा कई घरेलू सामान जलकर राख हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

पुलिस ने आरोपी गौरव शर्मा के खिलाफ आगजनी का मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपी पति घटना के बाद से फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। यह घटना एमसीबी जिले के सिटी कोतवाली मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र का है।

# 50 बच्चों से भरी पिकअप ने महिला को मारी टकर

## मध्यान्ह भोजन ले जा रही थी; बिना परमिशन संत सिंगाजी ले जा रहे थे टीचर्स

**मीडिया ऑडिटर, खंडवा (निप्र)।** जनजातीय बाहुल्य खालवा विकासखंड (खंडवा) में बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ का गंभीर मामला सामने आया है। यहां प्राथमिक स्कूलों के करीब 50 बच्चों को बिना अनुमति एक मालवाहक पिकअप में भरकर संत सिंगाजी समाधि स्थल ले जाया जा रहा था। इसी दौरान डाभिया खेड़ा गांव के पास वाहन ने मध्यान्ह भोजन ले जा रही एक महिला को टक्कर मार दी। हादसे के बाद ड्राइवर गाड़ी छोड़कर भाग गया। गनीमत रही कि महिला को गंभीर चोट नहीं आई, लेकिन सड़क पर भोजन बिखर गया। घटना खालवा थाना क्षेत्र के डाभिया खेड़ा गांव स्थित स्कूल के सामने निर्माणाधीन हाईवे पर हुई। स्वयं सहायता समूह से जुड़ी बिंदिया बाई स्कूल से आंगनवाड़ी केंद्र के लिए मध्यान्ह भोजन लेकर जा रही थीं। तभी बच्चों से भरी पिकअप ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही भोजन सड़क पर बिखर गया। हादसे के तुरंत बाद चालक वाहन मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया।

**बच्चों को मीडिया से बात करने से रोका:** हादसे के बाद बच्चों को वाहन से उतारकर पास के एक निर्माणाधीन मकान में बैठाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, वहां मौजूद जिम्मेदारों ने बच्चों को मीडिया से बात करने से रोका। बाद में घटना का वीडियो सामने आने पर बच्चों को रूट की बस से वापस भेजा गया। करीब एक घंटे बाद वाहन मालिक गाड़ी को मौके से हटाकर ले गया। बताया जा रहा है कि बच्चे झिरपा गांव के घुड़गी पायरा टांडे की ईजीएस शाला और अन्य स्कूलों के थे। जिस वाहन (महिंद्रा लोडिंग पिकअप) का उपयोग किया गया, वह माल परिवहन के लिए रजिस्टर्ड है।

**सहायक आयुक्त बोले- कोई परमिशन नहीं दी:** जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त डॉ. संतोष शुक्ला ने बताया कि विभाग की ओर से किसी भी प्रकार की शैक्षणिक यात्रा की अनुमति नहीं दी गई थी। क्षेत्रीय संकुल प्राचार्य और जनशिक्षक ने भी अनुमति देने से इनकार किया है। मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय दल गठित किया गया है। जांच में लापरवाही सिद्ध होने पर संबंधित शिक्षकों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

**मंत्री के क्षेत्र में नियमों की अनदेखी:** मालवाहक वाहन में बच्चों को ले जाना मोटर व्हीकल एक्ट और विभागीय नियमों का उल्लंघन है। यदि वाहन अनियंत्रित होता तो बड़ा हादसा हो सकता था। यह घटना जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह के गृह विधानसभा क्षेत्र में सामने आई है, जिससे शिक्षा व्यवस्था की निगरानी पर सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल प्रशासनिक जांच के बाद आगे की कार्रवाई तय होगी।

# रायसेन में सोमवार से शिफ्ट होगा सब्जी बाजार

## रामलीला मैदान के पास 10×10 की जगह, 10 फीट का रास्ता तय

**मीडिया ऑडिटर, रायसेन (निप्र)।** रायसेन शहर में सड़कों पर लगने वाली सब्जी और फल की दुकानों को अब रामलीला मैदान के पास स्थानांतरित किया जा रहा है। नगर पालिका प्रशासन ने इन विक्रेताओं को अपनी दुकानें सोमवार से रामलीला मैदान में लगाने के लिए सात दिन का अंतिम अल्टीमेटम दिया था।

स्थानांतरण से पहले, नगर पालिका कर्मचारी मैदान में आवश्यक व्यवस्थाएं जुटा रहे हैं। सहायक कलेक्टर कुलदीप पटेल, एसडीएम मनीष शर्मा और सीएमओ सुरेखा जाटव ने स्थल का निरीक्षण किया था। अधिकारियों ने व्यापारियों के साथ मिलकर यह तय किया कि प्रत्येक सब्जी विक्रेता को 10×10 फीट की जगह दी जाएगी और दुकानों के बीच 10 फीट का रास्ता भी होगा।

मैदान में 80 से अधिक दुकानें लगाई जा सकती हैं। इसके लिए

कर्मचारियों द्वारा चूने से निशान लगाकर तैयारियां की जा रही हैं। सब्जी और फल के ठेलों के लिए 10×10 फीट की जगह को चूने से चिह्नित किया जा रहा है, साथ ही 10 फीट के रास्ते को भी चूने से दर्शाया जा रहा है। यह वैकल्पिक व्यवस्था शहर की सड़कों पर सब्जी और फल विक्रेताओं के कारण होने वाले जाम और अव्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए की जा रही है। नई सब्जी मंडी दशहरा मैदान में बनकर तैयार है, लेकिन सब्जी और फल विक्रेता वहां जाने को तैयार नहीं हैं।

इसी कारण नगर पालिका ने शहर के बीचों-बीच स्थित रामलीला मैदान के पास यह अस्थायी व्यवस्था की है। हालांकि, सब्जी और फल विक्रेताओं का कहना है कि उनके लिए 10×10 फीट की जगह छोटी रहेगी। उन्होंने प्रशासन से 10×15 फीट की जगह उपलब्ध कराने की मांग की थी।

# मर्डर केस में पिता-दो बेटों समेत चार आरोपी गिरफ्तार

## कचरा और नाली के विवाद में मारपीट कर की थी पड़ोसी की हत्या

**मीडिया ऑडिटर, सागर (निप्र)।** सागर के मोतीनगर थाना क्षेत्र में कचरा और नाली के विवाद में मारपीट कर 60 वर्षीय व्यक्ति की हत्या करने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में पिता, दो बेटे समेत एक अन्य आरोपी शामिल है। थाने लाकर आरोपियों से पुलिस ने पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, 10 फरवरी को फरियादिया गुड्डन पत्नी पुरुषोत्तम यादव उम्र 55 वर्ष निवासी धर्माश्री अंबेडकर वार्ड ने थाने में शिकायत की। शिकायत में बताया कि मकान निर्माण कार्य को लेकर पड़ोसियों से विवाद था। उसी बात को लेकर रात करीब 9.30 बजे आरोपी घर के सामने आकर गाली-गलौज करने लगे।

गालियां देने से मना किया तो लाठी और हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान आरोपियों ने पुरुषोत्तम यादव के साथ जमकर मारपीट की। जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती

कराया। जहां पुरुषोत्तम की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने हत्या समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया और आरोपियों की शुरू की।

**वारदात में उपयोग लाठी जब्त की:** आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने कार्रवाई करते हुए अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी और चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में गोपीलाल उर्फ मुन्ना पिता गुलाब सिंह यादव उम्र 63 वर्ष, नरेंद्र पिता गोपीलाल यादव उम्र 39 वर्ष, सुरेंद्र पिता गोपीलाल यादव उम्र 41 वर्ष और मनोज उर्फ बाबू पिता कड़ोरीलाल यादव उम्र 47 वर्ष सभी निवासी धर्माश्री अंबेडकर वार्ड शामिल हैं। थाने लाकर आरोपियों से पूछताछ की गई। उनके कब्जे से वारदात में उपयोग की गई लाठी जब्त की। मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह ने बताया कि हत्या के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

# बुजुर्ग दंपती कर रहे नर्मदा परिक्रमा

## पत्नी रिक्शा में, पति साइकिल चलाकर पूरी कर रहे 3,544 किमी यात्रा

**मीडिया ऑडिटर, सिवनी मालवा (निप्र)।** वडोदरा (गुजरात) से एक बुजुर्ग दंपत्ति अपनी नर्मदा परिक्रमा को एक अनूठे तरीके से पूरा कर रहा है। महंत सुन्दगिरी नांगा बाबा अपनी पत्नी को रिक्शा में बिठाकर स्वयं साइकिल चलाकर लगभग 3,544 किलोमीटर की यह पवित्र यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने 10 मार्च 2025 को उत्तर नारेश्वर से यह परिक्रमा शुरू की थी, जो अब भी जारी है। हाल ही में यह दंपत्ति डोलरिया तहसील से होते हुए सिवनी मालवा पहुंचा। इस दौरान उन्हें देखने वाले हर व्यक्ति ने उनके समर्पण की सराहना की। बाबा स्वयं साइकिल चला रहे थे, जबकि उनकी पत्नी रिक्शा में बैठी थीं। यह दृश्य क्षेत्रवासियों के लिए आस्था और प्रेरणा का केंद्र बन गया।

राहगीरों ने रुककर उनका अभिवादन किया और उनकी यात्रा की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। तप, त्याग और सेवा का यह

उदाहरण लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

**एक साल पहले शुरू की थी यात्रा:** अपनी यात्रा के संबंध में पूछे जाने पर महंत सुन्दगिरी नांगा बाबा ने बताया कि उनकी परिक्रमा को लगभग एक वर्ष पूरा होने वाला है। उन्होंने दृढ़ता से कहा, 'माई की इच्छा से जब तक ओंकारेश्वर पर जल अर्पित नहीं कर दूँगा, तब तक परिक्रमा जारी रहेगी। '

मूल रूप से झांसी, उत्तर प्रदेश के निवासी महंत सुन्दगिरी नांगा बाबा की यह यात्रा केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह दृढ़ इच्छाशक्ति और दाम्पत्य समर्पण का भी एक अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती है। यह संदेश देती है कि सच्ची लगन से कठिन से कठिन लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

# सीहोर में न्यूनतम तापमान 14 डिग्री

## ठंडी हवाओं से बढ़ी ठिठुरन, ग्रामीण इलाकों में दिखा हॉट एयर बैलून

**मीडिया ऑडिटर, सीहोर (निप्र)।** सीहोर जिले में गुरुवार को न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान बहुत ज्यादा नीचे नहीं गया, फिर भी उत्तर दिशा से आ रही ठंडी और बर्फीली हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी है। सुबह और रात के समय लोगों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ रहा है।

**चार दिन से पारा लगभग स्थिर:** पिछले चार दिनों से जिले का न्यूनतम तापमान 11 से 14 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। पारे में ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं है, लेकिन लगातार चल रही सर्द हवाएं ठंड का असर बढ़ा रही हैं। फरवरी का दूसरा सप्ताह चल रहा है और मौसम पहले सप्ताह से अलग नजर आ रहा है। पहले जहां घना कोहरा और तेज ठंड थी, वहीं अब रात का तापमान नीचे जा रहा है, जबकि दिन में धूप तेज हो रही है।

**सुबह कोहरा, फिर साफ हुआ आसमान:** गुरुवार सुबह आसमान में हल्का कोहरा और धुंध छाई रही। सूरज नारंगी रंग का दिखाई दिया। जैसे-जैसे दिन चढ़ा, बादल और धुंध छंटते गए और लोगों को राहत महसूस हुई।

**दोपहर में गर्मी का एहसास:** धूप निकलने के बाद दोपहर के समय हल्की गर्माहट महसूस हो रही है। कई लोग स्वेटर उतारते नजर आए, हालांकि शाम ढलते ही ठंड फिर बढ़ जाती है। मौसम विभाग का हॉट एयर बैलून आज भी ग्रामीण इलाकों में उड़ता नजर आया। इसके जरिए हवा की दिशा, नमी और तापमान से जुड़ी जानकारी जुटाई जाती है, ताकि सटीक पूर्वानुमान लगाया जा सके।

**दिनचर्या पर असर:** सुबह-शाम की ठंड के कारण लोग देर से घरों से निकल रहे हैं। अलाव और गर्म कपड़ों का सहारा अभी भी जारी है। मौसम में फिलहाल बड़ा बदलाव नजर नहीं आ रहा। आने वाले दिनों में भी रात में ठंड और दिन में धूप का यही मिलाजुला असर बना रह सकता है।

### पिछले कुछ दिनों का न्यूनतम तापमान इस प्रकार रहा-

5 फरवरी - 12 डिग्री
6 फरवरी - 10 डिग्री
7 फरवरी - 12 डिग्री
8 फरवरी - 11 डिग्री
9 फरवरी - 11 डिग्री
10 फरवरी - 12 डिग्री
11 फरवरी - 14 डिग्री
12 फरवरी - 11 डिग्री
13 फरवरी - 14 डिग्री

# हाइवे-18 पर ऑटो पलटा, चालक घायल

**मीडिया ऑडिटर, सलामतपुर (निप्र)।** भोपाल-विदिशा स्टेट हाईवे क्रमांक 18 पर बुधवार रात बड़ा हादसा हुआ। शाहपुर जोड़ के पास यूरिया खाद से भरा लोडिंग ऑटो अनियंत्रित होकर बबूल के पेड़ से टकराया। टक्कर के बाद ऑटो सड़क से नीचे खेत में पानी भरी खंती में पलट गया। हादसे में ऑटो चालक घायल हुआ। उसे प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

ऑटो में लदी यूरिया खाद की बोरियां पानी में भीगकर खराब हो गई। वाहन भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज रफ्तार और संतुलन बिगड़ने से दुर्घटना हुई। सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने चालक को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। स्थानीय लोगों ने हाईवे 18 को जल्द 4 लेन करने की मांग दोहराई। सरपंच कालूराम मीणा और पूर्व सरपंच मूलचंद यादव ने कहा कि सड़क छोटी होने से हादसे बढ़ रहे हैं।

# रतलाम में युवक ने शराब दुकान में की तोड़फोड़

## कुल्हाड़ी से फोड़ी बोतल; कमीशन मांगा और जान से मारने की दी धमकी

**मीडिया ऑडिटर, रतलाम (निप्र)।** रतलाम के रावटी में स्थित शराब दुकान में दो लोगों ने मिलकर तोड़फोड़ की। एक युवक कुल्हाड़ी लेकर दुकान में घुसा। शराब की बोतलों को फोड़ दिया। दुकान पर बैठै सैल्समेन से कमीशन पर शराब देने व हर सप्ताह शराब पीने के लिए रुपए नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी। तोड़-फोड़ की घटना दुकान में लगे सीसीटीवी मैं कैद हो गई।

घटना गुरुवार रात 9.30 बजे की है। घटना का सीसीटीवी शुक्रवार सुबह सामने आया। देर रात में ही रावटी थाना पुलिस ने तोड़फोड़ और धमकाने वाले तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। दुकान के सेल्समैन विजय जायसवाल निवासी ग्राम अरंगी जिला चन्दौली (उत्तरप्रदेश) ने

रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में बताया कि वह रावटी में देशी विदेशी कम्पोजीट शराब दुकान पर सेल्समेन, हेल्पर का काम करता है। गुरुवार रात दुकान के अंदर बैठ कर हिसाब किताब कर रहा था। रात 9.30 बजे बद्री डोडियार निवासी मलवासी और अर्जुन गरवाल निवासी हरथल दुकान पर आए। इस दौरान वह गाली गलौज करने लगे। अर्जुन गरवाल दुकान के अंदर आया। गाली देते हुए कहने लगा कि हमें दारु कमीशन से क्यों नही देते हो। ऐसा कहते हुए अपने हाथ में लेकर आए कुल्हाड़ी से दुकान की रेक पर रखी शराब की बोतले फोड़ दी। जिससे करीबन 90 हजार रुपए का नुकसान हुआ है।

**डर के कारण दुकान से बाहर आया:** सेल्समैन ने बताया डर के कारण मैं दुकान के अंदर से बाहर आ गया। बाहर अर्जुन का साथी बद्री डोडियार मुझे धमकाने लगा की अगर तुम लोगों ने हमको दारु कमीशन से व हर हप्ते दारु पीने के लिए रुपए नहीं दिए तो तुमको जान से खत्म कर देंगे। इतने में मेरे साथ दुकान पर काम करने वाला हिरामणी पिता श्रीसंतोष कुमार निवासी मउ जिला चित्रकुट (उत्तरप्रदेश) और पास की दुकान पर काम कर रहा धुलिया दोनों आ गए। इस दौरान बद्री डोडियार और अर्जुन गरवाल का साथी मुन्नालाल मईडा व उसका एक अन्य साथी के साथ बाइक से आए।

# मंदसौर बीपीएल चौराहे से मंडी गेट तक बनेगा आदर्श रोड

## अधिकारियों ने किया निरीक्षण

**मीडिया ऑडिटर, मंदसौर (निप्र)।** मंदसौर के सरदार वल्लभभाई पटेल चौराहा (बीपीएल चौराहा) से मंडी गेट तक के मार्ग को आदर्श रोड के रूप में विकसित किए जाने की दिशा में प्रशासन ने कार्रवाई तेज़ कर दी है। इसी क्रम में शुक्रवार सुबह अधिकारियों की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर मार्ग का निरीक्षण किया और प्रस्तावित व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की।

आपको बता दें कि दिसंबर 2025 में इस मार्ग पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाकर सड़क किनारे मौजूद समस्त अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया गया था। अब प्रशासन इस मार्ग को सुव्यवस्थित और मॉडल रोड के रूप में विकसित करने की तैयारी में जुटा है।

**पार्किंग व्यवस्था पर विशेष फोकस:** निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सड़क किनारे पार्किंग व्यवस्था का जायजा लिया। जहां-जहां अतिक्रमण हटाया गया था, उन स्थानों की नपती कर संभावित टू-व्हीलर और फोर-व्हीलर पार्किंग के लिए स्थान चिन्हित किए गए।कार्यपालन यंत्री नितेश सुलिया ने बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल चौराहे से प्रतापगढ़ पुलिया तक के मार्ग को आदर्श रोड बनाया जा रहा है। इसी के तहत पार्किंग व्यवस्था का आकलन किया जा रहा है कि किन-किन स्थानों पर व्यवस्थित पार्किंग विकसित की जा सकती है। उन्होंने कहा कि विभाग का प्रयास है कार्य शीघ्र पूर्ण कर मार्ग को जनता को समर्पित किया जाए।

**मॉडल रोड निर्माण कार्य जल्द होगा शुरू:** एडिशनल एसपी टी.एस. बघेल ने बताया कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पूरी हो चुकी है और अब मॉडल रोड के निर्माण कार्य को जल्द प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि निरीक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि रोड को और बेहतर तथा व्यवस्थित कैसे बनाया जाए। टू-व्हीलर और फोर-व्हीलर पार्किंग के लिए माप-जोख की जा रही है और जो भी बाधाएं मॉडल रोड निर्माण में सामने आएंगी, उन्हें हटाया जाएगा।

**अधिकारी और कर्मचारी रहे मौजूद:** निरीक्षण के दौरान एडिशनल एसपी टी.एस. बघेल, कार्यपालन यंत्री नितेश सुलिया, सूबेदार सत्येंद्र सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशासन का दावा है कि मॉडल रोड का कार्य शीघ्र प्रारंभ कर तय समय सीमा में पूर्ण किया जाएगा, जिससे शहरवासियों को बेहतर यातायात सुविधा और सुव्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था मिल सके।

# मंदसौर में जहरीला भोजन खाने से महिला की मौत

## सब्जी में छिपकली गिरी थी, खाना खाने के बाद बिगड़ी तबीयत

**मीडिया ऑडिटर, मंदसौर (निप्र)।** मंदसौर जिले के सीतामऊ थाना क्षेत्र के मुंडला फोजी गांव में गुरुवार शाम एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। घर में बनी सब्जी में छिपकली गिर जाने से भोजन जहरीला हो गया, जिसे खाने के बाद एक महिला की तबीयत बिगड़ गई। परिजन उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई है।

**खाना खाने के बाद बिगड़ी तबीयत:** प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुंडला फोजी गांव निवासी महिला ने घर पर तैयार की गई सब्जी का सेवन किया था। भोजन करने के कुछ ही समय बाद महिला को उल्टी-दस्त, पेट दर्द और घबराहट की शिकायत होने लगी। परिजनों ने

जब उसकी हालत लगातार बिगड़ती देखी तो तुरंत उसे जिला अस्पताल पहुंचाया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने महिला का तत्काल उपचार शुरू किया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उसे बचाया नहीं जा सका। इलाज के दौरान ही महिला ने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों की प्रारंभिक जांच में फूड पॉयजनिंग की आशंका जताई गई है।

**परिजनों का आरोप: सब्जी में गिरी थी छिपकली:** मृतका के परिजनों का आरोप है कि सब्जी में छिपकली गिर गई थी, जिससे भोजन जहरीला हो गया और महिला की तबीयत बिगड़ती चली गई। उनका कहना है कि अनजाने में वही सब्जी खाने से यह हादसा हुआ।

**पोस्टमार्टम के बाद शव सौंपा:** अस्पताल प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए महिला का पोस्टमार्टम (पीएम) कराया। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

# नरसिंहपुर की करेली प्लाई फैक्ट्री में ड्रायर फटा

## चार मजदूर झुलसे, एक की हालत गंभीर

**मीडिया ऑडिटर, नरसिंहपुर (निप्र)।** नरसिंहपुर जिले के करेली स्थित एक प्लाईवुड फैक्ट्री में गुरुवार रात बड़ा हादसा हो गया। फैक्ट्री के ड्रायर में विस्फोट होने से चार मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। सभी घायलों को तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। घायलों में से एक मजदूर की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह हादसा शाम करीब 5 से 6 बजे के बीच हुआ, जब मजदूर ट्रिली प्लाईवुड बनाने वाली फैक्ट्री में काम कर रहे थे।

घटना के बाद मिल प्रबंधन पर आरोप है कि उसने करीब 15 घंटे तक मजदूरों के परिजनों को हादसे की जानकारी नहीं दी। परिजनों का कहना है कि उन्हें घायलों से मिलने नहीं दिया जा रहा था।

## टी20 विश्व कप 2026

# पावरप्ले का अधिकतम इस्तेमाल करने पर फोकस- ईशान किशन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत की शीर्ष क्रम की बल्लेबाजी ने वर्ष 2024 में पुरुष टी-20 विश्व कप जीतने के बाद से अपनी रणनीति स्पष्ट कर दी है- पावरप्ले में आक्रामक खेल, तेज शुरुआत और फिर टीम की डेप्थ के सहारे 200 से अधिक का स्कोर खड़ा करना। इसी सोच को गुरुवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में ईशान किशन ने शानदार तरीके से मैदान पर उतारा। उन्होंने सिर्फ 24 गेंदों में 61 रन ठोकते हुए नामीबिया पर भारत की रिकॉर्ड 93 रन की जीत की नींव रखी। ईशान ने अपनी पारी में छह चौके और पांच छक्के लगाए। उनके आक्रामक खेल की बदौलत भारत ने छह ओवर में 86 रन बना लिए, जो इस टूर्नामेंट में पावरप्ले के दौरान टीम का अब तक का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। हालांकि इसके बाद मध्य ओवरों में टीम थोड़ी लड़खड़ाई और 209 रन तक पहुंचने के रास्ते में दो झटके भी लगे। कुछ समय के लिए ऐसा लगा कि भारत अपनी आक्रामक रणनीति में बदलाव करेगा, खासकर तब जब तेज शॉट खेलने की कोशिश में विकेट गिरते नजर आए। लेकिन ईशान ने क्रीज पर समय बिताने के साथ आक्रामकता जारी रखी। पावरप्ले के अंतिम ओवर में ईशान ने लगातार चार छक्के और एक चौका लगाकर 28 रन बटोरे। भारत ने सिर्फ 6.5 ओवर में 100 रन पूरे कर लिए, जो टूर्नामेंट में सबसे तेज टीम शतक का नया रिकॉर्ड है।

किशन ने गेम खत्म होने पर रिपोर्टर्स से कहा, हम सभी अच्छे टच में हैं और जितना हो सके पावर प्ले का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं। हम जानते थे कि बाद में, एक बार बॉल स्विंग होना बंद हो जाए तो शायद हम ओवर में अतिरिक्त रन बना सकते हैं। प्लान यही था और गेम दर गेम सिचुएशन अलग होती है। यहां यह अलग था, कल जब हम पाकिस्तान के खिलाफ खेलेंगे, तो यह अलग हो सकता है। इसलिए हमारे लिए अहम है कि हम विकेट, बॉलिंग, बॉलर आदि के बारे में जल्द से जल्द अंदाजा लगाना लगा सकें। अगर मुझे सिंगल लेकर किसी और को स्ट्राइक देने की जरूरत हुई, तो मैं वह भी करूंगा। इसलिए गेम की सिचुएशन के बारे में पता होना जरूरी है और मुझे लगता है कि अगर आपको पावर प्ले में अच्छी शुरुआत मिलती है, तो आपको हमेशा कोशिश करनी चाहिए। उनका मानना है कि शीर्ष तीन बल्लेबाजों में से एक को लंबी पारी खेलनी चाहिए। ईशान ने यह भी कहा कि अब वे पहले की तुलना में अधिक परिपक्व हो गए हैं। पहले वे हर समय मजाक-मस्ती करते थे, लेकिन अब उनका ध्यान बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग पर ज्यादा है। मुख्य कोच गौतम गंभीर के मार्गदर्शन में वे अपने खेल पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। साल 2026 ईशान के लिए खास रहा है। टीम में वापसी के बाद उन्होंने छह पारियों में 296 रन बनाए हैं, उनका औसत 49.33 और स्ट्राइक रेट 222.55 है। वे इस समय भारत के सबसे प्रभावी बल्लेबाज बनकर उभरे हैं।

वर्ष 2023 के एकदिवसीय विश्व कप में दो मैच खेलने के बाद वे टीम से बाहर हो गए थे और उनका केंद्रीय अनुबंध भी छिन गया था। लेकिन दो साल की मेहनत और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्होंने दोबारा जगह बनाई।

## टी 20 वर्ल्ड कप में बड़ा अपसेट: जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हराया

**कोलंबो, एजेंसी।** आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप मुकाबले में जिम्बाब्वे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हराकर बड़ा अपसेट कर दिया। मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, लेकिन जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों ने संयमित और आक्रामक खेल दिखाते हुए मजबूत स्कोर खड़ा कर दिया। कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 169 रन बनाए।मार्कस स्टोयनिस (6) ग्लेन मैक्सवेल (31), ट्रैविस हेड (17) और जोश इंग्लिस (8) आउट हो चुके हैं। वहीं, टिम डेविड और कैमरन ग्रीन खाता भी नहीं खोल सके। जिम्बाब्वे के लिए ब्रायन बेनेट ने 56 बॉल पर नाबाद 64 रन बनाए। यह उनका टी-20 वर्ल्ड कप में पहला और टी-20 इंटरनेशनल में ओवरऑल 11वां अर्धशतक है। उनके अलावा तादिवानाशे मारुमनी और रयान बर्ल ने 35-35 रन की पारी खेली। कप्तान सिकंदर रजा ने 13 बॉल पर नाबाद 25 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए मार्कस स्टोयनिस और कैमरन ग्रीन को 1-1 विकेट मिला।

## भारत बनाम नामीबिया: रिकॉर्ड 47वीं बार टीम इंडिया ने टी20 फॉर्मेट में छुआ 200 का आंकड़ा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत ने नामीबिया के खिलाफ अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में 9 विकेट खोकर 209 रन बनाए। इसी के साथ भारत ने टी20 फॉर्मेट में रिकॉर्ड 47वीं बार 200 का आंकड़ा छुआ। इस मामले में भारत शीर्ष पर है। वहीं, 29 बार 200 का आंकड़ा छूने वाली साउथ अफ्रीकी टीम इस लिस्ट में दूसरे पायदान पर है। न्यूजीलैंड ने 28 बार, जबकि ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज ने 25-25 बार यह कारनामा किया है। भारत ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद टी20 फॉर्मेट में 14 बार 200 का आंकड़ा छुआ है। इस टाइमफ्रेम में किसी दूसरी टीम ने सात से ज्यादा बार यह कारनामा नहीं किया है।

209/9 का स्कोर टी20 वर्ल्ड कप में भारत का तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है। टीम इंडिया ने साल 2007 में इंग्लैंड के विरुद्ध 4 विकेट खोकर 218 रन बनाए थे। वहीं, साल 2021 में टीम इंडिया ने अफगानिस्तान के विरुद्ध 2 विकेट खोकर 210 रन जुटाए थे।

टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी भारतीय टीम ने 9 विकेट खोकर 209 रन बनाए। ईशान किशन ने तिलक वर्मा के साथ दूसरे विकेट के लिए 31 गेंदों में 79 रन की पारी खेली। ईशान 24 गेंदों में 5 छक्कों और 6 चौकों के साथ 61 रन बनाकर आउट हुए, जबकि तिलक वर्मा ने 25 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इन दोनों खिलाड़ियों के आउट होने के बाद हार्दिक पंड्या (52) ने शिवम दुबे (23) के साथ पांचवें विकेट के लिए 39 गेंदों में 81 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 200 के पार पहुंचा दिया। हालांकि, 205 के स्कोर पर पंड्या का विकेट गिरने के बाद भारत ने तेजी से विकेट खो दिए। नामीबिया की तरफ से कप्तान गेरहार्ड इरासमस ने 20 रन देकर 4 विकेट निकाले, जबकि बेन शिकोंगो, जेजे स्मट्स और बर्नार्ड शोल्ट्ज ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

### कैबिनेट बैठक पर टिकी निगाहें

## चिन्नास्वामी में IPL उद्घाटन मैच पर अंतिम निर्णय आज

**बेंगलुरु, एजेंसी।** कर्नाटक सरकार ने गुरुवार को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल के उद्घाटन मुकाबले की मेजबानी के प्रस्ताव पर उच्चस्तरीय बैठक की। इस संबंध में अंतिम निर्णय शाम को होने वाली राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद लिया जाएगा। विधान सौधा में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने की। बैठक में कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए), रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने हिस्सा लिया। यह बैठक इसलिए भी अहम मानी जा रही है क्योंकि 4 जून 2025 को आरसीबी के पहले आईपीएल खिताब के जश्न के दौरान मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी, जिसके बाद स्टेडियम में मैचों के आयोजन पर रोक लगा दी गई थी।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) तुषार गिरिनाथ, डीजीपी व आईजीपी एम.ए. सलीम, ग्रेटर बेंगलुरु प्राधिकरण (जीबीए) आयुक्त महेश्वर राव, गृह सचिव के.वी. शरथ चंद्र, बेंगलुरु सिटी पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह, केएससीए अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद, केएससीए सचिव और आरसीबी के पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में गृह मंत्री परमेश्वर ने बताया कि भगदड़ की जांच के लिए गठित सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति माइकल डी'कुन्हा आयोग की प्रमुख सिफारिशों को लागू करने पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा, 'हमने केएससीए और आरसीबी को प्रमुख सिफारिशें लागू करने के निर्देश दिए हैं। कई बिंदुओं पर उन्होंने अनुपालन शुरू कर दिया है। '

उन्होंने कहा कि कैबिनेट इस मुद्दे पर अंतिम फैसला लेगी। कैबिनेट ने गृह विभाग को परामर्श कर रिपोर्ट देने की जिम्मेदारी सौंपी थी। मैं आज शाम कैबिनेट को जानकारी दूंगा, जिसके बाद आधिकारिक घोषणा की जाएगी।

परमेश्वर ने बताया कि आईपीएल परंपरा के अनुसार मौजूदा चैंपियन टीम के घरेलू मैदान पर उद्घाटन मुकाबला खेला जाता है। चूंकि आरसीबी ने खिताब जीता है, इसलिए चिन्नास्वामी स्टेडियम में ओपनर कराने का प्रस्ताव है और इसके लिए सरकार से अनुमति मांगी गई है। जीबीए अध्यक्ष महेश्वर राव की अध्यक्षता में गठित समिति, जिसमें पुलिस, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल थे, ने इस मुद्दे की जांच कर अपनी रिपोर्ट सौंपी। इस रिपोर्ट पर गुरुवार की दो घंटे चली बैठक में विस्तार से विचार किया गया।

गृह मंत्री ने बताया कि कुछ सिफारिशें बुनियादी ढांचे से जुड़ी हैं, जैसे गेट, वॉकवे और होल्डिंग एरिया में सुधार, जबकि अन्य तत्काल लागू की जाने वाली व्यवस्थाएं हैं, जैसे एंबुलेंस की तैनाती, डॉक्टरों की उपलब्धता और ट्रायेज सुविधाएं। उन्होंने कहा, 'इन मोर्चों पर कदम उठाए जाने की जानकारी दी गई है। '

किसी अप्रिय घटना की स्थिति में जवाबदेही के सवाल पर परमेश्वर ने स्पष्ट किया कि जिम्मेदारी आयोजनकर्ताओं- केएससीए और आरसीबी की होगी। उन्होंने कहा, 'क्या सरकार जिम्मेदारी ले सकती है? '

उन्होंने दोहराया कि अल्पकालिक उपाय पूरे कर लिए गए हैं, जबकि मध्यम और दीर्घकालिक कार्य प्रगति पर हैं। कुछ काम मार्च तक पूरे हो सकते हैं, जबकि कुछ हिस्सों का ध्वस्तीकरण और पुनर्निर्माण जैसे कार्यों में अधिक समय लगेगा।

अब सभी की नजरें शाम को होने वाले कैबिनेट फैसले पर टिकी हैं, जो तय करेगा कि क्या आईपीएल का उद्घाटन मुकाबला चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित होगा या नहीं।

## क्या बल्लेबाजी के तरीके में कोई बदलाव आया है? नामीबिया के खिलाफ मैच के बाद ईशान ने दिया जवाब

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने स्वीकार किया कि अपने व्यक्तित्व में बदलाव ने उन्हें एक बेहतर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। किशन ने पिछले महीने भारतीय टीम में वापसी के बाद से पीछे मुड़कर नहीं देखा है। अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने संजू सैमसन को पीछे छोड़कर विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में टीम में अपनी जगह पक्की कर ली है।

इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने गुरुवार रात नामीबिया के खिलाफ 24 गेंदों में 61 रन बनाए और पावरप्ले में भारत को

एक विकेट पर 86 रन तक पहुंचाया। अभिषेक शर्मा की अनुपस्थिति में खेली गई इस तूफानी पारी के चलते भारत ने टी20 विश्व कप के इतिहास में पावरप्ले में अपना सर्वोच्च स्कोर बनाया। भारत की जीत के बाद किशन ने पत्रकारों को बताया कि एक व्यक्ति और क्रिकेटर के रूप में उनमें क्या बदलाव आया है। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब वह पहले की तरह मजाक नहीं करते। अतीत में अपने व्यवहार के कारण उन्हें केंद्रीय अनुबंध से हाथ धोना पड़ा था। किशन ने कहा, सच कहूं तो मुझे लगता है कि मैं अब काफी बदल गया हूं। मैं अब पहले की तरह बहुत अधिक मजाक नहीं करता। मुझे चुटकुले और इस तरह की चीज पसंद हैं लेकिन अब मैं हर समय ऐसा नहीं करता हूं और दो तीन घंटे के लिए ही ऐसा करता हूं। किशन ने कहा, मैं अभी सिर्फ बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग पर ध्यान दे रहा हूं, जिससे टीम और मुझे दोनों को फायदा होगा।

## पहली बार टी20 वर्ल्ड कप मुकाबला जीतकर इटली ने बनाए ये बड़े रिकॉर्ड्स

**मुंबई, एजेंसी।** पहली बार टी20 वर्ल्ड कप खेल रही इटली ने इतिहास रच दिया है। इस टीम ने गुरुवार को नेपाल के विरुद्ध 10 विकेट से जीत दर्ज करते हुए एक ही मुकाबले में कई बड़े रिकॉर्ड्स बना दिए हैं। नेपाल को 19.3 ओवरों में महज 123 रन पर समेटने के बाद सगे भाइयों की जोड़ी ने इटली को महज 12.4 ओवरों में टी20 वर्ल्ड कप इतिहास की पहली जीत दिलाई। जस्टिन मोस्का ने 44 गेंदों में 3 छक्कों और 5 चौकों के साथ नाबाद 60 रन बनाए, जबकि एंथनी मोस्का ने 32 गेंदों में 6 छक्कों और 3 चौकों के साथ नाबाद 62 रन की पारी खेली। मोस्का बंधुओं की 124* रन की साझेदारी टी20 वर्ल्ड कप में भाइयों के बीच सबसे बड़ी पार्टनरशिप है। मोस्का बंधुओं ने कामरान अकमल और उमर अकमल की जोड़ी को पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने साल 2014 में 96 रन की साझेदारी की थी।

यह टी20 क्रिकेट में इटली की पहली 10 विकेट से जीत है, जबकि नेपाल को दूसरी बार 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले, साल 2025 में वेस्टइंडीज के विरुद्ध नेपाल ने 10 विकेट से मैच गंवाना पड़ा था। दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप में एसोसिएट टीम ने पूरे 10 विकेट से जीत दर्ज की है। इससे पहले, साल 2021 में ओमान ने पापुआ न्यू गिनी के विरुद्ध यह कारनामा किया था। यह टी20 वर्ल्ड कप में एसोसिएट टीम की तरफ से तीसरी शतकीय साझेदारी है। साल 2021 में ओमान की ओर से आकिब इलियास और जतिंदर सिंह ने पापुआ न्यू गिनी के विरुद्ध 131 रन की अटूट साझेदारी की थी। वहीं, स्कॉटलैंड की तरफ से माइकल जोन्स और जॉर्ज मुंसे की जोड़ी ने इटली के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2026 में 126 रन जुटाए थे।

टी20 वर्ल्ड कप में 120 से ज्यादा रन के सफल चेज में सर्वाधिक गेंदें शेष रहते जीत दर्ज करने के मामले में यह तीसरा मुकाबला रहा। इटली ने इस मैच को 44 बॉल शेष रहते जीता।

## टी20 विश्व कप 2026 : आगे की राह तय करने में अहम होंगे आज के तीन मुकाबले

**नई दिल्ली, एजेंसी।** टी20 विश्व कप 2026 में शुक्रवार को तीन महत्वपूर्ण मुकाबले खेले जाएंगे। अलग-अलग ग्रुप की टीमें मैदान पर उतरेंगी और अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश करेंगी। पहला मुकाबला ग्रुप बी का है, जो कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे आमने-सामने होंगे। यह टूर्नामेंट का 19वां मुकाबला है। भारतीय समयानुसार मैच सुबह 11~00 बजे शुरू होगा। दोनों टीमों ने अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की है। ऑस्ट्रेलिया ने अपने पहले मैच में आयरलैंड को 67 रनों से हराया था। वहीं जिम्बाब्वे ने ओमान को 8 विकेट से मात दी थी। ऐसे में यह मुकाबला ग्रुप बी में शीर्ष स्थान के लिए अहम साबित हो सकता है।

दूसरा मैच ग्रुप डी का है, जो दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मुकाबला कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात के बीच होगा। भारतीय समयानुसार मैच दोपहर 3~00 बजे शुरू होगा।

दोनों टीमों को अपने पहले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। कनाडा को दक्षिण अफ्रीका ने 57 रनों से हराया था। वहीं संयुक्त अरब अमीरात को न्यूजीलैंड के खिलाफ 10 विकेट से हार मिली थी। इस मुकाबले में हारने वाली टीम के लिए अगले

दौर की राह मुश्किल हो सकती है।

तीसरा मुकाबला संयुक्त राज्य अमेरिका और नीदरलैंड के बीच खेला जाएगा। यह मैच चेन्नई के एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम में भारतीय समयानुसार शाम 7~00 बजे शुरू होगा।

नीदरलैंड ने पाकिस्तान से हारने के बाद अपने दूसरे मैच में नामिबिया को हराया था। वहीं, संयुक्त राज्य अमेरिका की टीम अब तक अपने दोनों मुकाबले हार चुकी है। पहले मैच में भारत के खिलाफ उसे 29 रनों से हार मिली थी, जबकि दूसरे मुकाबले में पाकिस्तान ने 32 रनों से शिकस्त दी थी। यदि अमेरिका को इस मैच में भी हार का सामना करना पड़ा तो उसके लिए अगली स्टेज में पहुंचना लगभग असंभव हो जाएगा।

इस तरह शुक्रवार का दिन टूर्नामेंट के लिहाज से महत्वपूर्ण रहने वाला है, क्योंकि कई टीमों के लिए यह मुकाबले आगे की राह तय करेंगे।

### युक्त महाविद्यालय का मामला विधानसभा पहुंचा, भाजपा में हड़कंप

# सुर्खियों में विधायक नरेंद्र प्रजापति, अपने ही राजनीतिक गुरु के संस्थान पर दागे सवाल

**मीडिया ऑडीटर, रीवा ( निप्र )।** मध्यप्रदेश की राजनीति में इन दिनों एक ऐसा मामला गरमा गया है जिसने सत्तारूढ़ भाजपा को असहज कर दिया है। मनगवां विधायक नरेंद्र प्रजापति ने विधानसभा में ऐसा सवाल उठा दिया जिसकी गूंज सत्ता के गलियारों से लेकर सोशल मीडिया तक सुनाई दे रही है। मामला रीवा जिले के गंगेव स्थित युक्त महाविद्यालय गंगेव से जुड़ा है, जिसे लेकर विधायक ने सीधे सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया। सबसे बड़ा राजनीतिक झटका इसलिए माना जा रहा है क्योंकि नरेंद्र प्रजापति का राजनीतिक कद पूर्व विधानसभा अध्यक्ष स्व. श्रीनिवास तिवारी के सानिध्य में ही बढ़ा और अब उन्हीं से जुड़े माने जाने वाले निजी महाविद्यालय पर सवाल दाग दिए गए हैं। इसे राजनीति में थाली में छेद की संज्ञा दी जा रही है। विधायक द्वारा मध्य प्रदेश विधानसभा में लगाए गए तारांकित प्रश्न क्रमांक 703 में कॉलेज की भूमि, राजस्व रकबा, खसरा विवरण, तथा यह स्पष्ट करने की मांग की गई है कि कॉलेज निजी भूमि पर बना है या शासकीय भूमि पर। साथ ही यदि सरकारी जमीन का उपयोग हुआ है तो क्या भविष्य में इसे शासन द्वारा अधिग्रहित कर गरीब विद्यार्थियों के हित में शासकीय घोषित किया जाएगा। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह हमला विपक्ष नहीं बल्कि सत्ता पक्ष के विधायक की ओर से हुआ है। इससे पहले ही भाजपा के भीतर अंदरूनी कलह की चर्चाएं चल रही थीं और अब यह मामला सीधे मुख्यमंत्री मोहन यादव की सरकार तक सवाल खड़े कर रहा है। रीवा संभाग में भाजपा के अधिकांश विधायक होने के बावजूद इस तरह के तीखे सवाल यह संकेत दे रहे हैं कि पार्टी के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है। अब सबकी निगाहें 19 फरवरी को आने वाले सरकारी जवाब पर टिकी हैं, जो तय करेगा कि यह मामला सिर्फ सवालों तक सीमित रहेगा या भाजपा के लिए बड़ा राजनीतिक संकट बनेगा।

### जगदगुरू राजेन्द्रदास एवं उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने किया वृक्षारोपण

## उप मुख्यमंत्री ने स्वयं वाहन चलाकर महाराज जी को प्राकृतिक खेती का अवलोकन कराया

**मीडिया ऑडीटर, रीवा ( निप्र )।** बसामन मामा गौवंश वन्य विहार परिसर में जगदगुरू राजेन्द्रदास जी महाराज एवं उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने पंचवटी वृक्षारोपण कार्यक्रम में पाँच पवित्र वृक्षों का रोपण किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रकृति के संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन के इस पुनीत संकल्प में पाँच पवित्र वृक्षों का रोपण आने वाली पीढ़ी के लिये हरित और स्वस्थ्य भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। बसामन मामा के किये दर्शन, पीपल का वृक्ष रोपित किया - जगदगुरू राजेन्द्रदास जी महाराज एवं उप मुख्यमंत्री ने बसामन मामा के दर्शन किये। उन्होंने बसामन मामा की पूजा अर्चना कर आरती उतारी व आशिर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर पीपल का वृक्ष रोपित करते हुए राजेन्द्रदास जी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में पीपल का वृक्ष आस्था, पर्यावरण संरक्षण और जीवन ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है।

इसमें भगवान नारायण साक्षात विराजमान होते हैं। इस अवसर पर एसडीएम दृष्टि जायसवाल एवं पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी, अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, डॉ. राजेश मिश्रा भी उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री ने स्वयं कार्ट वाहन ड्राइव करते हुए महाराज जी को बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में गौशाला व प्राकृतिक खेती स्थल का अवलोकन कराया। राजेन्द्रदास जी ने गौसंरक्षण के साथ प्राकृतिक खेती के प्रकल्प की सराहना करते हुए कहा कि इससे हमारी धरती माता स्वस्थ्य रहेगी, शुद्ध अनाज उत्पादित होगा और सभी स्वस्थ्य रहेंगे। उन्होंने कहा कि इस प्रकल्प का किसान लाभ लेकर अपने खेतों में भी इसे अपना सकेंगे। यह उनके लिये प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि गौवंश वन्य विहार में सुखपूर्वक गौवंश निवास कर रहे हैं। यहां उनकी पूरे मनोभाव से सेवा हो रही है। उप मुख्यमंत्री ने राजेन्द्रदास जी महाराज को बसामन मामा गौशाला में शिला पट्टिका पर लिखी गौमाता की महिमा की कविता को पढ़कर सुनाया इस दौरान संतजन व गौअभ्यारण्य से संबंधित जन उपस्थित रहे।

## पंचमठ आश्रम में 3 दिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव का शुभारंभ

### 15 फरवरी को निकलेगी भव्य शिवबारात

**मीडिया ऑडीटर, रीवा ( निप्र )।** महाशिवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर पंचमठ आश्रम में तीन दिवसीय महोत्सव का भव्य शुभारंभ भगवान भोलेनाथ एवं माता गौरा पार्वती को हल्दी-मेंहदी अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महिलाओं द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना और मंगल गीतों के साथ हुई। पूरे आश्रम परिसर में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा। द्वितीय दिवस 14 फरवरी को प्रात: 10 बजे से अखण्ड मानस पाठ का आयोजन किया जाएगा। वहीं 15 फरवरी को बैजू धर्मशाला, व्यंकट रोड से भगवान भोलेनाथ की भव्य बारात प्रात: 9 बजे निकलेगी। यह बारात शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुन: पंचमठ आश्रम पहुंचेगी, जहां शिव-पार्वती विवाह विधि-विधान से सम्पन्न होगा। बारात में 31 फीट लंबा व 551 किलोग्राम वजनी त्रिशूल, महाकाल पालकी, केदारनाथ मंदिर व अन्य धार्मिक झांकियां, डमरू दल, अघोरी नृत्य और चलित ऑर्केस्ट्रा आकर्षण का केंद्र रहेंगे। आयोजन समिति ने पार्किंग और यातायात की विशेष व्यवस्था की है तथा श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने की अपील की है।

## नौसेना प्रमुख का दौरा, विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में हुए शामिल; हाईकोर्ट जस्टिस भी रहे मौजूद

**मीडिया ऑडीटर, रीवा ( निप्र )।** एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी शुक्रवार 13 फरवरी को एक दिवसीय दौरे पर रीवा पहुंचे। वे शहर के अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित अन्तर विश्वविद्यालय पश्चिम क्षेत्र महिला फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। विश्वविद्यालय परिसर में होने वाले इस फाइनल मैच को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई थी।

जहां बड़ी संख्या में छात्र और खेल प्रेमी पहुंचे। कार्यक्रम में जस्टिस विवेक कुमार सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। आयोजन समिति ने बताया कि मुख्य अतिथि खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर विजेता और उपविजेता टीम को पुरस्कृत किया गया। नौसेना प्रमुख के आगमन को लेकर प्रशासन और विश्वविद्यालय प्रबंधन ने सुरक्षा एवं प्रोटोकॉल व्यवस्था सुदृढ़ रही। पुलिस अधिकारियों के अनुसार वीवीआईपी मूवमेंट को देखते हुए विश्वविद्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। एंट्री गेट पर कड़ी जांच की गई और बिना पास के किसी को अंदर प्रवेश नहीं दिया गया। ट्रैफिक व्यवस्था के लिए विशेष प्लान तैयार किया गया, ताकि आम लोगों को असुविधा न हो। सुरक्षा के मद्देनजर पूरे कार्यक्रम स्थल की कड़ाई से निगरानी की गई।

### रीवा संभाग ई आफिस में लगातार प्रदेश में प्रथम स्थान पर

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** प्रशासनिक नवाचार के तहत ई आफिस व्यवस्था लागू की गई है। अब कार्यालयों के अंदर तथा अन्य कार्यालयों में फाइलों का संचालन ऑनलाइन माध्यम से हो रहा है। ई आफिस व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू करके रीवा संभाग में संभागीय रैंकिंग में अक्टूबर माह से लगातार प्रदेश में प्रथम स्थान पर बना हुआ है। इस संबंध में कमिश्नर बीएस जामोद ने बताया कि रीवा संभाग में कुल 14251 फाइलें ई आफिस में क्रिएट की गई तथा 55886 फाइलों का मूवमेंट हुआ।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चकघर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।